

मनेन्द्रगढ़

12 सितम्बर 2026

शनिवार

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: बीफ बॉस :

महाराष्ट्र के भंडारा में दर्दनाक सड़क हादसा

ट्रक-बोल्लेरो की भिड़ंत, 3 बच्चों समेत 8 की मौत



भंडारा, एजेंसी। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को ट्रक और बोल्लेरो की टक्कर में 3 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर पिपल्गांव सड़क के पास हुआ। सभी लोग छत्तीसगढ़ के रायपुर से नेशनल हाईवे-53 के रास्ते नागपुर जा रहे थे। ट्रक में फंसे पिक अप को निकालने के लिए दो जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया।

विजय की पार्टी टीवीके को चुनाव आयोग ने मान्यता दी



चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग ने TVK को रजिस्टर्ड राजनीतिक पार्टी माना है। पार्टी को तमिलनाडु और पुडुचेरी में मान्यता मिली है। EC ने TVK को 'सीटी' चुनाव चिह्न भी पक्का कर दिया है। पार्टी ने इसी सिंबल पर चुनाव लड़ा था। विजय ने कहा कि हालिया 2026 विधानसभा चुनाव में TVK को 35% वोट मिले। उन्होंने इसे तमिलनाडु की राजनीति में 'अभूतपूर्व चमत्कार' बताया। उन्होंने कहा कि चुनावी जनादेश का सम्मान करते हुए उनकी सरकार ईमानदार और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन के लिए काम करेगी।

वेल्लोर में चर्च की छत गिरी, 3 की मौत, 11 मजदूर घायल



वेल्लोर, एजेंसी। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में गुरुवार को निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से 3 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा कटपाडी के पास मंडी कृष्णापुरम में हुआ। मजदूर चर्च की छत के लिए कंक्रीट डाल रहे थे, तभी स्लैब गिर गया। हादसे में 11 मजदूर घायल हुए हैं। जिन्हें वेल्लोर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और पडोसी आंध्र प्रदेश के चित्तूर के एक अस्पताल में भेजा गया। पुलिस ने बताया कि यह इमारत चर्च ऑफ साउथ इंडिया के लिए बनाई जा रही थी।

उमर अदुल्ला ने पूछा: कांग्रेस या चाहती है, सरकारी कार्यक्रमों में नियम मानना

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वंदे मातरम के सभी छह पैरा को लेकर जो प्रावधान लागू है, उसका सरकार को पालन करना होगा। वंदे मातरम के दौरान खड़े न होने के कानूनी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने पूछा, 'कांग्रेस क्या चाहती है, कि कश्मीरियों को इस कारण जेल में डाल दिया जाए।' उमर ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में लागू नियमों और प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है। ये नियम सिर्फ जम्मू-कश्मीर नहीं, बल्कि पूरे देश में सरकारी कार्यक्रमों पर लागू होते हैं। दरअसल, सोमवार को श्रीनगर में सीएम उमर और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण हुआ था। इस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो शेयर करते नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपील की थी कि वह कांग्रेस के साथ खड़ी रहे और वंदे मातरम के 2 पैरा गाने के पक्ष में अपना रुख कायम रखे। उमर ने कहा कि पार्टी के फैसले और सरकार की कानूनी जिम्मेदारी को अलग-अलग समझना चाहिए। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में भी राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत दोनों प्रस्तुत किए जाएंगे।



सीएम बोले- पार्टी के फैसले और कानूनी जिम्मेदारी दोनों अलग... हालांकि, उमर ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी वंदे मातरम को पार्टी के तौर पर नहीं अपनाया है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेगी। यह पार्टी की विचारधारा और राजनीतिक फैसले का विषय है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- भगवान को परेशान यों कर रहे हो, या वे इससे खुश होंगे

राजस्थान के महावीर जैन मंदिर प्रबंधन विवाद में सुनवाई पूरी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के करौली में प्रसिद्ध 'श्री महावीर जी जैन मंदिर' के प्रबंधन और संचालन को लेकर जैन धर्म के श्वेतांबर और दिगंबर पक्षों के बीच चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंदन की पीठ ने फैसला सुरक्षित रखते हुए दोनों पक्षों को 8 दिन में लिखित बहस दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान धार्मिक संवेदनशीलता का जिक्र करते हुए जस्टिस पारदीवाला ने दोनों पक्षों से इस मुद्दे को बेहद सावधानी से निपटने की बात कही। उन्होंने दोनों पक्षों से मुकदमेबाजी समाप्त करने

की अपील करते हुए कहा- यह बहुत ही नाजुक और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना, क्या आप यह उम्मीद करते हैं कि सुबह श्वेतांबर अपने तरीके से अनुष्ठान करेंगे और शाम को दिगंबर भगवान के वस्त्र बदलकर अपने तरीके से पूजा-अर्चना करेंगे? आप महान भगवान को परेशान क्यों कर रहे हैं? इस धरती पर अवतरित सबसे महान संतों में से एक के नाम पर यह अनावश्यक

या हैं दोनों पक्षों की दलीलें? वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि इस मामले में पूजा स्थल के परिवर्तन की कोई मांग नहीं की गई है, इसलिए पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 इस मामले में लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल संपूर्ण जैन समुदाय के हित में मंदिर के प्रबंधन से जुड़ा है। मुकदमेबाजी क्यों? क्या आपको लगता है कि इस सबसे वे खुश होंगे?

जासूसी कांड के बाद पाकिस्तान धार्मिक यात्रा के नियम बदले, प्राइवेट टूर पर रोक

हिसार, एजेंसी। केंद्र और हरियाणा सरकार ने भारत-पाकिस्तान धार्मिक यात्राओं के नियम बदल दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उजागर हुए पाक जासूसी नेटवर्क और हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा केस के बाद यह फैसला लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों की जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी (ISI) और वहां के प्राइवेट टूर ऑपरेटर्स धार्मिक टूर के नाम पर भारतीय नागरिकों को स्पॉन्सर कर जासूसी का जाल बुनते हैं। इसे देखते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान से चलने वाले सभी प्रकार के प्राइवेट स्पॉन्सर्ड टूर पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। अब व्यक्तिगत या प्राइवेट एजेंसियों के जरिए पाकिस्तान जाना मुमकिन नहीं होगा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के टूरिज्म इंचाज हरकीरत सिंह ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने



से पाबंदी लगा दी है। अब व्यक्तिगत या प्राइवेट एजेंसियों के जरिए पाकिस्तान जाना मुमकिन नहीं होगा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के टूरिज्म इंचाज हरकीरत सिंह ने भी इसकी पुष्टि की। उन्होंने

कैसे होती है पाकिस्तान धार्मिक यात्रा और किटना है स्वीकृत कोट... भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक यात्राएं दोनों माध्यमों (इंडीविजुअल और जत्थे) से होती हैं। अधिकांश श्रद्धालु भारत-पाकिस्तान 'रिलीजियस श्राइन्स प्रोटोकॉल 1974' के तहत जत्थों (ग्रुप) में यात्रा करते हैं।

बताया कि ज्योति मल्होत्रा जैसे जासूसी केस मिलने के बाद से ही प्राइवेट स्पॉन्सर टूर बंद कर दिए गए हैं। पहले पाकिस्तान जाने वाले लोग वहां की एजेंसी से संपर्क कर टूर प्रोग्राम अरेंज करते थे।

ब्रि स समेलन : पीएम मोदी बोले- 4 से शुरू होकर ब्रि स बना 21 देशों का परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शामिल सभी नेताओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया। पीएम मोदी ने कहा कि 2006 में जब ब्रिक्स समूह की शुरुआत हुई थी, तब इसमें महज चार देश शामिल थे। आज ब्रिक्स और ब्रिक्स के सहयोगी देशों को मिलाकर 21 देशों का परिवार हो चुका है। दिल्ली में ब्रिक्स बिजनेस फोरम के नेताओं के सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज ब्रिक्स देश दुनिया की 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और वैश्विक व्यापार के 25 प्रतिशत से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इन वर्षों में जहां वैश्विक जीडीपी लगभग डबई गुना बढ़ी है, वहीं ब्रिक्स

हम दुनिया में कारोबार बढ़ाना चाहते हैं, इसके लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते जरूरी



देशों की संयुक्त जीडीपी करीब साढ़े चार गुना बढ़ी है। दूसरे शब्दों में, ब्रिक्स की आर्थिक ताकत बाकी दुनिया की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ी है। मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देश वैश्विक नवाचार



और समाधान के प्रमुख केंद्रों के रूप में भी उभर रहे हैं। जमीनी स्तर की पहलों से लेकर अत्याधुनिक तकनीकों तक, नवाचार की नई संभावनाएं सदस्य देशों में आकार ले रही हैं। उन्होंने कहा कि

ब्रिक्स का बढ़ता आकार, गति और आशावाद हमारे बीच स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भारत में आयोजित यह मंच अब तक का सबसे बड़ा ब्रिक्स बिजनेस फोरम है।

रूसी राष्ट्रपति बोले- प्रतिस्पर्धा करने से डरते हैं पश्चिमी देश

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स देशों के आपसी संबंध मजबूत हो रहे हैं। आपसी कारोबार को बढ़ावा देना हमारा लक्ष्य है। ब्रिक्स देशों के बीच दुनिया का करीब 40 फीसदी व्यापार होता है। ब्रिक्स के जरिए मुश्किलों का सामना कर सकते हैं। भारत की आईटी कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। जीडीपी में जी-7 से ब्रिक्स आगे निकल गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश प्रतिस्पर्धा करने से डरते हैं। रूस पर गलत प्रतिबंध थोपे गए हैं। इन प्रतिबंधों के बावजूद रूस आगे बढ़ा है। दुनिया में गहरे संरचनात्मक और व्यापक बदलाव हो रहे हैं। पुतिन ने दिया पीएम मोदी को रूस आने का निमंत्रण. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस साल दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात है। दोनों ने भारत-रूस के बीच राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल आधारित श्रम आवाजाही और लोगों के बीच संपर्क समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय मंचों पर भारत-रूस सहयोग को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया। खास तौर पर भारत की 2026 की अध्यक्षता में ब्रिक्स के भीतर सहयोग पर चर्चा हुई।



केदारनाथ पैदल मार्ग में बादल फटा, लैंडस्लाइड से बंद

यूपी के मिर्जापुर में पुल फर्छाबाद में हाईवे डूबा ● म.प्र. के दमोह में बाढ़ के हालात

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के केदारनाथ में शुक्रवार को बादल फटा। इसके बाद लैंडस्लाइड हुई। बड़े-बड़े बोल्टर गिरने से केदारनाथ पैदल मार्ग बंद हो गया है। वहीं, यूपी में लगातार हो रही बारिश से गंगा-यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इससे 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 4 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मिर्जापुर में पुल तो फर्छाबाद में हाईवे डूब गया है। मध्य प्रदेश में तीन दिन के ब्रेक के बाद मानसूनी सिस्टम फिर एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को राज्य के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। गुरुवार रात भोपाल,



नर्मदापुरम और विदिशा में बारिश हुई। दमोह में बाढ़ के हालात हैं, कई कॉलोनिनों में पानी भर गया है। उधर, बिहार में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं। 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति है, जिससे 2,36,0 गांवों में करीब 44 लाख लोग प्रभावित हैं।

27,954 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। बाढ़ से 2,36,0 गांव प्रभावित हुए हैं और करीब 44 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। प्रशासन ने 27,954 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया है, जहां उनके रहने और जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है।

बिहार में 14 जिलों में बाढ़, 44 लाख लोग प्रभावित... बिहार में भी बाढ़ का संकट गंभीर बना हुआ है। राज्य में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बढ़ रही हैं और 14 जिले बाढ़ की स्थिति से जूझ रहे हैं।

नेपाल में पुनर्निर्माण के लिए 4.52 लाख करोड़ लगेंगे

यह देश की जीडीपी से भी ज्यादा; बाढ़ से 16 लाख लोग प्रभावित, 1377 की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ ने इतनी बड़ी तबाही मचाई है कि अब टूटे घर, सड़कें और पुल फिर से बनाने में 4.52 लाख करोड़ भारतीय रुपए खर्च होने का अनुमान है।



यह रकम नेपाल की GDP 4.32 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। बाढ़ से करीब 16 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अब तक 1377 लोगों की मौत हो चुकी है और 5130 लोग लापता हैं। कुल अनुमानित खर्च का करीब 75% यानी 2.96 लाख करोड़ सड़क, पुल, बिजली और दूसरी जरूरी

सुविधाएं फिर से बनाने में लगेगा। बाढ़ में 7,570 घर, 48 सरकारी इमारतें, 18 स्कूल और 7 स्वास्थ्य केंद्र भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के समय प्रोजेक्ट में 1,433 लोग काम कर रहे थे। इनमें 878 बचा लिए गए, जबकि 545 लापता हैं।

545 लापता लोगों की तलाश में खोजी कुं उतारे... अपर त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 545 लापता लोगों की तलाश के लिए प्रशिक्षित खोजी कुं उतारे गए हैं। टीमें सुरंगों, हेडवर्क्स और मलबे में तलाश कर रही हैं।



इंदौर (निप्र)। मध्यप्रदेश के इंदौर में 19 सितंबर को प्रस्तावित राहुल गांधी के 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम के लिए अब तक 1.50 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। राहुल गांधी ने बुधवार को छात्रों और युवाओं के नाम संदेश जारी कर उनसे अपनी समस्याएं, चुनौतियां और सुझाव साझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे अलग-अलग शहरों में छात्रों से मिलकर उनकी चुनौतियां

राहुल बोले- 19 को इंदौर में मिलूंगा समस्याएं-चुनौतियां बताओ

छात्रों की गुंज के लिए 1.50 लाख रजिस्ट्रेशन

समझ रहे हैं। इसी मुहिम के तहत 19 सितंबर को इंदौर में छात्रों के बीच रहेंगे। राहुल ने छात्रों से ऑनलाइन लिंक के जरिए अपनी बात बताने और वीडियो बनाकर समस्याएं साझा करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं और सुझावों के जरिए मिलकर उम्मीद वापस लाने की कोशिश की जाएगी।

आयोजन स्थल भी तय नहीं हो सका: कांग्रेस ने कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम के साथ रीजनल पार्क के सामने की जमीन का विकल्प रखा है। नेहरू स्टेडियम के लिए नगर निगम की ओर से अनुमति पहले ही खारिज की जा चुकी है।

इसरो का अलर्ट: अटूबर से दिसंबर तक 3 चक्रवात का खतरा

83% ज्यादा शक्तिशाली; तेज हवाओं के साथ हो सकती है भारी बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तटीय इलाकों के लिए आने वाले तीन महीने बेहद संवेदनशील होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने उपग्रहों और मौसम निगरानी प्रणालियों से मिले डाटा के आधार पर चेतावनी जारी की है कि अक्टूबर से दिसंबर के दौरान बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में तीन शक्तिशाली चक्रवाती तूफान बन सकते हैं। इसरो ने अगाह किया है कि चक्रवात के साथ तेज हवाएं, भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें आ सकती हैं। इसरो के अनुसार, चक्रवातों की ताकत का सूचकांक 44 साल के औसत से 83 फीसदी ज्यादा रह सकता है। मतलब ये

पहले के मुकाबले ज्यादा तबाही मचा सकते हैं। रिपोर्ट में अक्टूबर-दिसंबर के लिए 1.30 करोड़ का पीडीआई (पावर डिसिपेशन इंडेक्स) बताया गया है। 1982-2025 के दौरान औसत पीडीआई 71 लाख रहा है। पीडीआई एक ऐसा वैज्ञानिक पैमाना है जो किसी चक्रवात की विनाशकारी क्षमता, उसकी अवधि और संख्या को मिलाकर उसकी कुल ऊर्जा का आकलन करता है। पीडीआई की इकाई नॉट्स क्यूब होती है। 44 साल के बाद सबसे ज्यादा तीव्रता: रिपोर्ट में 1982 से 2025 तक उत्तर हिंद महासागर में मानसून सीजन के

केंद्र सरकार ने निगरानी शुरू की... इसरो की चेतावनी के बाद केंद्र सरकार, मौसम विभाग और तटीय राज्यों के आपदा प्रबंधन विभागों ने स्थिति पर पैनी नजर रखनी शुरू कर दी है। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए मौसम विभाग की चेतावनी जारी की जाएगी। मछुआरों और समुद्र में काम करने वाले लोगों के लिए भी ऐसे मौसमी अनुमान महत्वपूर्ण हैं।

बाद आए चक्रवातों की संख्या और उनके पीडीआई का अध्ययन किया गया है। इस अवधि में पीडीआई का औसत 7.15म10 नॉट्स क्यूब रहा। 2026 के अक्टूबर-दिसंबर में इसके 13.06म10 नॉट्स क्यूब तक पहुंचने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बदलेगा मौसम का मिजाज, झमाझम बारिश के आसार



नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कई दिनों से राजधानी में मौसम साफ रहने के साथ ही तापमान में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। लेकिन, शुक़रवार से मौसम का मिजाज बदलने और अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने का पूर्वानुमान है। इसका अर्थ यह है कि ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान राजधानी में बारिश हो सकती है। बृहस्पतिवार को सुबह से ही धूप खिली रही। बीते छह दिनों में अधिकतम तापमान में नौ डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। पांच सितंबर को अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो बृहस्पतिवार को बढ़कर 36.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

कम दबाव का क्षेत्र बनने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा: मौसम विज्ञानियों के अनुसार, पिछले तीन दिनों से उत्तर-पश्चिमी हवा चलने के कारण इस क्षेत्र से मानसूनी गतिविधियां कम हो गई थीं। अब बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। हवा की दिशा बदलकर फिर से दक्षिण-पूर्वी होने से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शुक़रवार को हल्की वर्षा हो सकती है, जबकि शनिवार से बुधवार तक हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा का पूर्वानुमान है।

गांधीनगर गिफ्ट सिटी में शराब की बिक्री 15 गुना से अधिक बढ़ी, सरकार ने अर्जित किया रिकॉर्ड राजस्व



गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात के गांधीनगर स्थित इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में शराब की बिक्री में आई तेजी के बीच आपस्त, 2024 से जुलाई, 2026 के दौरान 60,354.47 लीटर भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आइएमएफएल) की बिक्री हुई। इस दौरान राज्य सरकार ने शराब की बिक्री से 87.39 लाख रुपये का राजस्व भी अर्जित किया। मुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री हर्ष संधवी ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान काग्रिस विधायक इमरान खेड़ावाला के सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। खेड़ावाला ने गिफ्ट सिटी में शराब की बिक्री के बारे में सवाल पूछा था। आंकड़ों के अनुसार, गिफ्ट सिटी के निर्धारित वाइन एंड डाइन क्षेत्र में एक अगस्त 2024 से 31 जुलाई, 2025 के बीच 3,716.28 लीटर आइएमएफएल की बिक्री हुई थी। इसके अगले एक साल यानी एक अगस्त 2025 से 31 जुलाई, 2026 के बीच शराब की बिक्री बढ़कर 56,638.19 लीटर हो गई। इस तरह दो साल में कुल 60,354.47 लीटर शराब बिक्री। 2025-26 में बिक्री की मात्रा सालाना आधार पर 15 गुना से अधिक रही। गुजरात सरकार ने दिसंबर, 2023 में गिफ्ट सिटी के लिए राज्य के शराबबंदी नियमों में ढील देते हुए शराब उल्लब्ध कराने की अनुमति दी थी।

बागेश्वर बाबा की तस्वीरें जलाने वालों पर होगी कार्रवाई सीएम शुभेंदु ने गिरफ्तारी का दिया निर्देश



कोलकाता, एजेंसी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा की तस्वीरें जलाने वालों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया है। मालूम हो कि बागेश्वर बाबा ने अपने बंगाल दौरे के दौरान दुर्गापूजा और नवरात्रि में बंगाल के हिंदुओं से मांसाहार और मदिरा छोड़ने की अपील की थी। उन्होंने धार्मिक आयोगजनों और पूजा पंडालों के पास मांस-मछली खाने और बेचने वालों को पाखंडी और ढोंगी कह दिया था, जिसकी काफी आलोचना हुई थी। उनके खिलाफ थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। कोलकाता के भवानीपुर थाने के सामने बागेश्वर बाबा की तस्वीरें भी जलाई गईं। प्रदर्शनकारियों ने इसे बंगाली खान-पान, पहचान और संस्कृति के विरुद्ध टिप्पणी करार दिया। प्रदर्शन करने वालों में कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई धार्मिक नेता अपने धर्म, परंपरा व संस्कृति के बारे में अपनी राय रख सकता है।

सिकंदराबाद आर्मरी चोरी केस में बड़ा खुलासा, पुलिस ने कहा- अंदर के ही किसी शस का हाथ

हैदराबाद, एजेंसी। सिकंदराबाद छावनी स्थित मद्रास रेजिमेंट की शस्त्रागार में हुई सनसनीखेज हथियारों की चोरी के मामले में 11 दिन बाद एक बड़ा खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों इस नतीजे पर पहुंची है कि यह पूरी वारदात किसी अंदरूनी शख्स का ही काम थी। सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि चोरी हुए ज्यादातर हथियारों का पता लगा लिया गया है और उन्हें टेस कर लिया गया है।

पुलिस ने साथी चुप्पी, लेकिन मिला है मजबूत सुराग: मामले में गुरुवार रात जब इस बारे में संपर्क किया गया, तो तेलंगाना पुलिस के बड़े अधिकारियों ने इस पर खुलकर कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। हालांकि,



एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने इतना जरूर कहा कि हमारे पास एक मजबूत सुराग हाथ लगा है, बस हमें थोड़ा समय दीजिए।

जांच में क्या-क्या खुलासा: बता दें कि शुरुआत से ही पुलिस को यह शक था कि इस चोरी के पीछे अंदरूनी लोग या संतरी (डिफेंस

गार्ड) ड्यूटी पर तैनात कोई शख्स शामिल हो सकता है। हालांकि, जांचकर्ताओं के सामने अब भी यह सवाल बना हुआ था कि इस साजिश में कुल कितने लोग शामिल थे और हथियारों को शस्त्रागार से बाहर कैसे ले जाया गया।

कई बड़ी एजेंसियां थीं जांच में जुटी

इस चोरी के बाद सुरक्षा महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तेलंगाना की काउंटर-इंटेलिजेंस, मिलिट्री इंटेलिजेंस, मत्काजगिरी पुलिस, हैदराबाद टारक फोर्स, एनआईए और अन्य केंद्रीय एजेंसियां इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में जुटी हुई थीं।

क्या-क्या चोरी हुआ था

गौरतलब है कि बीते 30 अगस्त की रात को आर्मरी के दो अलग-अलग कमरों में सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया था। चोरों ने एक कमरे से 4 अत्याधुनिक एके-203 असॉल्ट राइफलें, 1 इंसान राइफल और 7 पिस्तौलें चुरा ली थीं। वहीं, दूसरे कमरे से भारी मात्रा में गोला-बारुद और दूरबीन चुराई गई थी। इस बड़ी वारदात के बाद देश की सुरक्षा एजेंसियों के होश उड़ गए थे।

बिल्डरों पर कसता शिकंजा, सीबीआई ने की बेंगलुरु, मुंबई और पुणे में 12 स्थानों पर छापेमारी

बेंगलुरु, एजेंसी। सीबीआई ने गुरुवार को बेंगलुरु, मुंबई और पुणे में 12 जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज पांच नए आपराधिक मामलों के सिलसिले में की गई। इन पर घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी और ठगी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि ये पांचों मामले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्ज किए गए थे। इनमें से चार मामले ओजोन ग्रुप और उससे जुड़ी कंपनियों के बेंगलुरु और मुंबई में चल रहे प्रोजेक्ट से जुड़े हैं, जबकि एक मामला बेंगलुरु में विवांशा बालसम के प्रोजेक्ट से जुड़ा है। इन मामलों में अलग-अलग फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के अज्ञात अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। इन पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक कदाचार जैसे आरोप हैं। सीबीआई के अनुसार, ये मामले बिल्डरों और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के अधिकारियों के बीच कथित मिलीभगत से जुड़े हैं। इसके चलते घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी और ठगी हुई। बड़ी संख्या में घर खरीदारों ने बिल्डरों की कथित धोखाधड़ी वाली गतिविधियों से राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इन तलाशी अभियानों का उद्देश्य हाउसिंग रियल एस्टेट सेक्टर में फंड के गलत इस्तेमाल, वित्तीय गड़बड़ियों और धोखाधड़ी जैसी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए अहम सबूत जुटाना था। तलाशी के दौरान एजेंसी ने ऐसे दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और दूसरी चीजें जब्त कीं जिनसे गड़बड़ी का पता चलता है। जांच के तहत इनकी पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसी ने बताया कि उसने पहले ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत पूरे भारत में अलग-अलग बिल्डरों के खिलाफ 50 मामले दर्ज किए थे। इन पांच नए मामलों के साथ एजेंसी ने अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कुल 55 मामले दर्ज कर लिए हैं।

पुतिन का प्लेन नहीं, कमांड सेंटर: किसमें हैं रूसी राष्ट्रपति पहचानना मुश्किल; क्यों साथ उड़ते हैं दो विमान



मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। लेकिन उनकी यात्रा में सिर्फ कूटनीतिक मुलाकातें ही चर्चा में नहीं हैं। उनके भारत आने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। पुतिन जिस खास विमान से यात्रा करते हैं, उसकी सुरक्षा व्यवस्था इतनी गोपनीय रखी जाती है कि बाहर से यह पता लगाना मुश्किल होता है कि राष्ट्रपति आखिर किस विमान में सवार हैं। हाल की रिपोर्टों में उनके विमान को 'फ्लाइटिंग क्रेमलिन' भी कहा गया है। इस यात्रा के दौरान खास बात यह रही कि पुतिन के साथ एक जैसा दूसरा विमान भी उड़ता दिखाई दिया। दोनों का मॉडल, रंग और बाहरी डिजाइन एक जैसा था। यानी आसमान से देखने वाले के लिए दोनों में अंतर करना आसान नहीं था। यही पूरी सुरक्षा रणनीति का सबसे अहम हिस्सा है।

दो एक जैसे विमान क्यों उड़ते हैं पुतिन के साथ: रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को से आईएल-96-300पीयू मॉडल के दो एक जैसे विमानों के साथ भारत के लिए उड़ान भरी। इनमें से

एक विमान में राष्ट्रपति होते हैं, जबकि दूसरा डिक्ॉय विमान के तौर पर साथ उड़ता है। इसका मकसद यह भ्रम बनाए रखना है कि पुतिन वास्तव में किस विमान में मौजूद हैं।

डिक्ॉय फ्लाइट की रणनीति ऐसे समझें:- दोनों विमान एक ही मॉडल के होते हैं और उनका रंग-रूप भी एक जैसा रखा जाता है, ताकि बाहर से पहचान करना मुश्किल रहे। दोनों विमान एक साथ उड़ान भरते हैं और पुतिन इनमें से किसी एक में होते हैं, लेकिन कौन से विमान में हैं, यह सार्वजनिक तौर पर पता नहीं चलता। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यही है कि किसी संभावित हमलावर के लिए पहले यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि राष्ट्रपति किस विमान में यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्रपति के विमान की वास्तविक पहचान की जानकारी उनकी सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों तक ही सीमित रहती है।

क्या रडार पर भी दोनों विमानों को लेकर भ्रम पैदा किया जाता है: दी गई जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ दो एक जैसे विमान उड़ाने तक सीमित नहीं है। दोनों विमानों के रडार सिग्नल में भी समय-समय पर बदलाव होता है। कभी एक विमान का सिग्नल बंद दिखाई देता है तो कभी दूसरे का। कुछ समय के लिए दोनों विमान ट्रैकिंग सिस्टम पर दिखाई नहीं देते। यही वजह है कि केवल सार्वजनिक फ्लाइट ट्रैकिंग के आधार पर यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि पुतिन किस विमान में हैं। इस तरह की डिक्ॉय ड्रिल पहले ही उनकी यात्राओं में दिखाई दे चुकी है।

कजाकिस्तान यात्रा में भी दिखी थी ऐसी ही रणनीति: कजाकिस्तान की यात्रा के दौरान दोनों विमानों को फ्लाइट ट्रैकर पर एक-दूसरे के बेहद करीब उड़ते देखा गया था।



पर कहा, यह धिनीना है। ट्रंप सरकार सिख समुदाय को निशाना बनाकर नस्लवादी प्रचार कर रही है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख कोएलेशन, हिंदू एक्शन और कोएलेशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका जैसे संगठनों ने भी विज्ञापन को अमेरिकी मूल्यों के खिलाफ और

नस्लवादी बताया। गृह सुरक्षा विभाग ने विवादित विज्ञापन तो हटा दिया। लेकिन उसने न्यूसम पर पलटवार किया। विभाग ने उन पर अवैध प्रवासियों को व्यावसायिक वाहन चलाने के लाइसेंस देने का आरोप लगाया। न्यूसम को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

भारतीय समुदाय के संगठनों ने क्या कहा: भारतीय समुदाय के संगठनों ने विज्ञापन हटाने का स्वागत किया। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने वह पोस्ट हटा दी है, जिस पर संगठन ने एक दिन पहले आपत्ति जताई थी। हालांकि, संगठन ने कहा कि किसी संंधीय एजेंसी का भारतीय या सिख व्यक्ति का नस्लीय रूप दिखाकर राजनीतिक संदेश देना गंभीर बात है। पोस्ट हटाना केवल पहला कदम है। संगठन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी, सिख, हिंदू और दक्षिण एशियाई लोगों को अपनी सरकार से इससे बेहतर व्यवहार की उम्मीद है।

विभाग ने फिर क्या पोस्ट किया: विभाग ने ट्रक

चालक हरजिंदर सिंह का एक वीडियो भी पोस्ट किया। हरजिंदर सिंह को पिछले साल एक गैरकानूनी यू-टर्न के कारण हुए हादसे के बाद गिरफ्तार किया गया था। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई थी। वीडियो में क्या दिखाया गया एक दूसरे पोस्ट में ट्रांसफॉर्मर्स फिल्म के मुख्य खलनायक मेगाट्रॉन को दिखाया गया। वीडियो में वह 'एलियंस' की रिहाई की मांग करता दिखाता है। अमेरिकी प्रशासन विदेशी नागरिकों के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करता है। मेगाट्रॉन ट्रक चालकों हरजिंदर सिंह, राजिंदर कुमार, बेकझान बेइशेकीव, अखरोर बोजेरोव और जसवीर सिंह की रिहाई की मांग करता दिखाया गया। ये लोग सड़क हादसों और दूसरे अपराधों में शामिल रहे हैं। गृह सुरक्षा विभाग ने एक्स पर लिखा कि अगर कोई इस देश के खिलाफ दुश्मनी की नीयत से आता है, तो उसे पता होना चाहिए कि अमेरिका अपना बचाव करेगा। विभाग ने कहा कि वह अमेरिकी मूल्यों और अपने देश की रक्षा करेगा।

जेल में बिगड़ी मादुरो की पत्नी की सेहत: 11 किलो वजन घटा, दिल की बीमारी के बीच घर में नजरबंदी की मांग क्यों

अल्बानी, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की पत्नी और देश की पूर्व प्रथम महिला सीलिया फ्लोरेस ने अमेरिका की अदालत से जेल से बाहर आने की मांग की है। 69 वर्षीय फ्लोरेस इस समय बुकलिन की संघीय जेल में बंद हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि जेल में रहने के दौरान उनकी दिल की बीमारी और बिगड़ गई है। इसलिए उन्हें मुकदमे की सुनवाई तक जेल के बजाय घर में नजरबंद रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। फ्लोरेस के वकीलों ने बुधवार को अदालत में आवेदन दिया है। उन्होंने मैनहट्टन संघीय अदालत के क्षेत्र में घर में रखने की मांग



की। अगले साल जून में फ्लोरेस और मादुरो का मुकदमा होना है। घर में रहने के दौरान 24 घंटे सशस्त्र निगरानी की बात कही गई है।

घर में नजरबंदी की स्थिति में

फ्लोरेस पर कैसी पाबंदियां रहेंगी: वकीलों मार्क डोनेली और एंड्रस सांचेज ने अदालत को बताया कि घर में रहने की अनुमति मिलने पर फ्लोरेस की कड़ी निगरानी की जाएगी। उनके मुताबिक, उन्हें 24 घंटे सशस्त्र सुरक्षा में रखा जाएगा। उनसे मिलने वाले लोगों को अदालत और संघीय अभियोजकों से मंजूरी लेनी होगी। घर में वीडियो के जरिये निगरानी होगी और उनके फोन कॉल रिकॉर्ड किए जाएंगे। यानी वकील जेल से बाहर आने की मांग कर रहे हैं, लेकिन पूरी तरह खुली आजादी नहीं।

फ्लोरेस की सेहत को लेकर वकीलों ने क्या बताया: फ्लोरेस कई वर्षों से

के दावे की पुष्टि के लिए आधिकारिक रिकार्ड सामने आना चाहिए। विवाद की शुरुआत सात सितंबर को तमिलनाडु विधानसभा में हुई। भाषण के दौरान विजय ने मीसा का जिक्र करते हुए हाथ से जबड़े की ओर इशारा किया। इस पर द्रमुक ने कड़ी आपत्ति जताई और सदन में हंगामा हुआ। विजय के इस इशारे की सहयोगियों और विरोधियों, दोनों की ओर से आलोचना हुई। इसके अगले दिन, आठ सितंबर को विजय ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इशारा अनजाने में हुआ था और उसका कोई गलत अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। हालांकि, मामला यहीं नहीं थमा और अब स्टालिन के आपातकाल के दौरान मीसा के तहत जेल जाने तथा वहां उनके साथ हुई कथित मारपीट को लेकर दोनों दल आमने-सामने हैं।

लखनऊ में प्लाट खरीदने का सुनहरा मौका, 2800-3800 रुपये वर्ग फीट का भाव, 3 हजार प्लॉटों की बुकिंग शुरू

लखनऊ, (निप्र)। एलडीए की नई आवासीय योजना वरुण

विहार में भूखंड की कीमत 2800 रुपये और नैमिष नगर में 3800 रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से भूखंडों की बिक्री की जाएगी। 14 सितंबर को नैमिष नगर और वरुण विहार आवासीय योजना शुरू होगी। दोनों आवासीय योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और 3010 हजार भूखंडों की आनलाइन बुकिंग खोली जाएगी।

72 वर्ग मीटर से 450 वर्ग मीटर तक के भूखंड: मुख्यमंत्री शहरी विस्तारिकरण योजना के तहत आगरा एक्सप्रेस-वे स्थित वरुण विहार योजना 6580 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसमें काशी और कैलाश खंड में 1926 भूखंड और सीतापुर रोड स्थित 3600 एकड़ क्षेत्र की नैमिष नगर योजना में 1084 भूखंडों का पंजीयन खोला जाएगा। दोनों योजनाओं विभिन्न आय वर्गों के



लिए हैं। इनमें 72 वर्ग मीटर से 450 वर्ग मीटर तक के भूखंड दिए जाएंगे। जो 18 मीटर से 45 मीटर चौड़ी सड़कों पर स्थित होंगे। ये दोनों योजनाएं राजधानी के विस्तार को नई दिशा देंगी। इनसे शहर के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में आवासीय, व्यावसायिक और बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास होगा।

वरुण विहार योजना में कार्यक्रम स्थल की तैयारियां जोरों पर: काकोरी में आगरा एक्सप्रेस वे के पास वरुण विहार

योजना स्थल से दो आवासीय योजनाओं का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम स्थल पर तैयारियां तेज हैं। आगरा एक्सप्रेस वे के पास 12 गांवों का अधिग्रहण कर एलडीए वरुण विहार योजना विकसित कर रहा है। योजना के तहत आने वाले गांवों में किसानों से सहमति पत्र भरवाकर एलडीए जमीन का निर्धारित मुआवजा दे रही है। एलडीए ने दोना ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम होने के लिए स्थल को चिह्नित किया है।

हर व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य : प्रभारी मंत्री

सिहावल में 43.60 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण, शिक्षा के क्षेत्र को मिली नई सौगात

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत सिहावल में आयोजित शिविर में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पॉिक के व्यक्ति तक पहुंचे और लोगों की समस्याओं का समाधान मौके पर हो, इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान संचालित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।प्रभारी मंत्री ने बताया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में 7 अगस्त से प्रत्येक शुक्रवार मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का संचालन किया जा रहा है, जो 8 जनवरी तक चलेगा। इसी क्रम में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान की संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से कहा कि शिविरों के



माध्यम से आमजन तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करें और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने सिहावल में 43 करोड़ 60 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति वाले दो महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने 3925.60 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति से निर्मित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहावल तथा 434.67 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति से निर्मित आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास पतुलखी का



तथा मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी योजना का लाभ दिया जा रहा है प्रभारी मंत्री ने सिंगरौली की बेटी प्रज्ञा जायसवाल का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि वहां की बेटी 500 में से 500 अंक प्राप्त कर सकती है तो सीधी जिले के बच्चे भी यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि वे अपनी पूरी ऊर्जा पढ़ाई में लगाते हुए लक्ष्य के लिए जुट जाएं और सफलता हासिल करें प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाले पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपये की सहायता

बिबं रह है रेल परियोजनाओं पर काम हो रहा है और रेल सुविधा शीघ्र ही सीधी जिला मुख्यालय तक पहुंचेगी उन्होंने किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना तथा सिंचाई सुविधाओं सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास के साथ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पहुंचाना है कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने की। उन्होंने सिहावल में जिले के प्रथम शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लोकार्पण

हॉस्टल में छात्राओं से धुलवाई जा रही थालियां, मेन्यू का खाना भी नहीं

कमिश्नर के औचक निरीक्षण में सामने आई शिकायतें, वार्डन पर धमकाने का आरोप; जांच के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। संभागीय कमिश्नर शैलेंद्र सिंह ने शुक्रवार को सिंगरौली के एक दिवसीय दौरे के दौरान जियावन स्थित अनुसूचित जाति सीनियर बालिका छात्रावास नंबर-2 का निरीक्षण किया। उनके साथ कलेक्टर गौरव बैनल और जिला पंचायत सीईओ संघप्रिय भी मौजूद रहे। कमिश्नर के निरीक्षण के दौरान छात्राओं ने छात्रावास की व्यवस्थाओं और भोजन को लेकर कई शिकायतें सामने रखीं छात्राओं ने बताया कि उन्हें तय मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं दिया जाता। नाश्ते में भी निर्धारित व्यवस्था का पालन नहीं होने की शिकायत की गई। छात्राओं ने यह भी बताया कि खाना खाने के बाद उन्हें अपनी थालियां खुद धुलनी पड़ती हैं। कुछ छात्राओं ने वार्डन पर शिकायत करने पर धमकाने का आरोप भी लगाया



अलग-अलग बात कर सुनी समस्याएं कमिश्नर शैलेंद्र सिंह ने छात्राओं से अलग-अलग बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। छात्राओं ने अधिकारियों से अकेले में भी अपनी परेशानियां साझा कीं। शिकायतों के सामने आने के बाद कमिश्नर ने पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए जांच के दौरान छात्रावास में मिलने वाले भोजन, तय मेन्यू के पालन, छात्राओं से कराए जा रहे

कार्य, वार्डन के व्यवहार और अन्य व्यवस्थाओं की पड़ताल की जाएगी निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थाएं मिलने पर कमिश्नर ने संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को फटकार लगाई मेन्यू के अनुसार भोजन देने के निर्देश कमिश्नर ने छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन देने के निर्देश दिए उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं में



किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने को कहा औचक निरीक्षण में छात्राओं की शिकायतें सामने आने के बाद संबंधित विभाग में हलचल बढ़ गई है। अब जांच रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट होगा कि छात्रावास की व्यवस्थाओं में लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है और संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

प्रभारी मंत्री ने किया जूनियर आदिवासी बालक छात्रावास सिहावल का लोकार्पण प्रभारी मंत्री ने बच्चों के साथ बैठकर किया भोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने सिहावल में 404 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति से निर्मित जूनियर आदिवासी बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, विधायक धौधनी कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजु सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा तथा समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान उपस्थित रहे प्रभारी मंत्री ने छात्रावास का निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने छात्रावास में रह रहे बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, रहन-सहन और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली तथा मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया प्रभारी



मंत्री ने कहा कि जनजातीय वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने छात्रावास

की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने किया सिहावल में सांदीपनि विद्यालय और छात्रावास का लोकार्पण

प्रभारी मंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद, कहा- लक्ष्य तय कर जिद और जुनून से करें मेहनत



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने सिहावल में 43 करोड़ 60 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति वाले दो महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यों का

लोकार्पण किया इनमें 3925.60 लाख रुपये की लागत से निर्मित शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहावल और 434.67 लाख रुपये की लागत से निर्मित आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास पतुलखी शामिल हैं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने की।

विधायक धौधनी कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजु सिंह और कलेक्टर विकास मिश्रा उपस्थित रहे लोकार्पण के बाद प्रभारी मंत्री ने विद्यालय के पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षां, शैक्षणिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से जानकारी ली इस दौरान नीट और जेईई की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से संवाद करते हुए प्रभारी मंत्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों के उज्जल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे

बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे हासिल करने के लिए जिद, जुनून और पूरी ऊर्जा के साथ मेहनत करें सफलता के लिए अनुशासन निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास को अपनी ताकत बनाएं उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जितना बड़ा लक्ष्य निर्धारित करेंगे, उतनी ही बड़ी उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करेंगे प्रभारी मंत्री ने कहा कि बेहतर परिणाम हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने कहा कि नवीन विद्यालय परिसर क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस परिसर से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। सिहावल क्षेत्र में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की कमी

निःशुल्क स्कूटी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है उन्होंने विद्यार्थियों से इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए बेहतर परिणाम हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने कहा कि नवीन विद्यालय परिसर क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस परिसर से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। सिहावल क्षेत्र में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की कमी

नहीं है। उचित सुविधाएं और मार्गदर्शन मिलने से यहां के विद्यार्थी नीट, जेईई सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। नवीन परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का विद्यार्थियों के हित में प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं कार्यक्रम में विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया नवीन परिसर मिलने पर विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल रहा छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

कहीं स्ट्रेचर नहीं, कहीं पंखे बंद ड्रिप लेकर अस्पताल पहुंची महिला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। अलग-अलग अस्पतालों से सामने आई तस्वीरों में कहीं मरीजों को स्ट्रेचर नहीं मिलने तो कहीं पंखे बंद होने की शिकायत सामने आई है जिला अस्पताल में एक महिला को स्ट्रेचर नहीं मिलने पर परिजनों के सहारे हाथ में ड्रिप लेकर करीब 100 मीटर दूर महिला वार्ड तक जाना पड़ा गोडहरी निवासी राजकली कुशवाहा के मुताबिक, गुरुवार सुबह तबीयत बिगड़ने और ब्लीडिंग होने पर परिजन उन्हें सेमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे। हालात बिगड़ने पर उन्हें सीधी जिला अस्पताल रेफर किया गया। शाम करीब 6 बजे युगनी अस्पताल बिल्डिंग से नई बिल्डिंग स्थित महिला वार्ड भेजे जाने के दौरान स्ट्रेचर नहीं मिला मजबूरी में वह परिजनों के सहारे पैदल वार्ड तक पहुंची अस्पताल पहुंचने के बाद भी उन्हें तकला बेड नहीं मिलते की बात सामने आई। बाद में परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए मझौली अस्पताल में भी मरीजों और अटेडेंटों को गर्मी और मच्छरों की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों का कहना है कि पंखों के स्विच चालू होने के बावजूद कई पंखे बंद हैं। अस्पताल में इलाज के साथ



बुनियादी सुविधाओं के लिए भी परेशानी उत्पनी पड़ रही है सिमरिया अस्पताल में भी डॉक्टर, नर्स और ओपीडी कर्मचारियों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने की शिकायत सामने आई है आरोप है कि सुबह 9 बजे ड्यूटी शुरू होने के बावजूद कर्मचारी करीब 10 बजे पहुंचते हैं जिससे शुरुआती समय में आने वाले मरीजों को इंतजार करना पड़ता है नरीक्षण में मिली कर्मियां करवाई का आवश्यक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक खरे ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार के लिए लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ. दीपा रानी के साथ जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया जिसमें कई कर्मियां मिलीं उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं में जल्द सुधार कराया जाएगा लापरवाही के लिए जो भी अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदार पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मऊगंज में खेतों में पहुंचे दो हाथी, फसलें रौंदी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमान क्षेत्र में दो हाथियों की मौजूदगी से ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है गुरुवार रात दोनों हाथी ढबा गांव के पास दिखाई दिशुक्रवार सुबह हाथी टखर होते हुए दोपहर में बहुती गांव पहुंच गए इस दौरान रस्ते में खेतों में घुसकर हाथियों ने धान सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाया ग्रामीणों ने खेतों में घूम रहे हाथियों का मोबाइल से वीडियो बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है किसानों के अनुसार हाथियों ने कई जगह फसलों को पैयों से रौंद दिया और कुछ फसलें खा भी गए हाथियों के लगातार स्थान बदलने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है वन परिक्षेत्र हनुमान के रेजर नयन तिवारी ने बताया कि गुरुवार को हाथियों का मुक्कम ढबा गांव में था। शुक्रवार सुबह दोनों हाथी टखर के रस्ते होते हुए बहुती पहुंचे।

10 लाख का पुल 3 महीने में टूटा, ग्रामीणों ने घटिया निर्माण का लगाया आरोप

पहले भी इसी जगह टूट चुका था पुल ग्रामीणों ने ठेकेदार-अधिकारियों पर कार्रवाई और राशि वसूली की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के विजयपुर में करीब 10 लाख रुपए की लागत से बनाया गया पुल निर्माण के लगभग तीन महीने बाद ही क्षतिग्रस्त होकर टूट गया। पुल टूटने से ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी बढ़ गई है और रास्ता बंद होने जैसी स्थिति बन गई है। घटना के बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है ग्रामीणों का आरोप है कि पुल निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया उनका कहना है कि निर्माण के दौरान तकनीकी नियमों और गुणवत्ता मानकों का भी पालन नहीं किया गया। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी स्थान पर पहले भी पुल टूट चुका था। इसके बाद दोबारा निर्माण कराया गया,



लेकिन करीब 90 दिन में ही पुल फिर क्षतिग्रस्त हो गया सीमेंट, बालू और सरिया की गुणवत्ता पर सवाल ग्रामीणों ने निर्माण में इस्तेमाल किए गए सीमेंट, बालू और सरिया की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं पुल टूटने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर

सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुसार कराया गया होता तो इतने कम समय में पुल की ऐसी स्थिति नहीं होती ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच करने के साथ दोषी ठेकेदार, उपयंत्री और संबंधित अधिकारियों के

खिलाफ कार्रवाई की मांग की है उन्होंने निर्माण में खर्च हुई सरकारी राशि की रिकवरी और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग भी उठाई है इंजीनियर से मांगी रिपोर्ट जिला पंचायत सीईओ संबंधित ने बताया कि पुल टूटने का मामला उनके संज्ञान में है उन्होंने संबंधित इंजीनियर से पुल के क्षतिग्रस्त होने को लेकर रिपोर्ट मांगी है रिपोर्ट मिलने के बाद मामले की जांच कराई जाएगी सीईओ के अनुसार जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही या किसी तरह की गड़बड़ी सामने आती है तो जिम्मेदार सरपंच, सचिव और उपयंत्री इंजीनियर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी फिलहाल ग्रामीण जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं रिपोर्ट के बाद ही पुल निर्माण की गुणवत्ता और जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को जिला न्यायालय सीधी एवं तहसील न्यायालयों में 21 खंडपीठों द्वारा आपसी सहमति से मामलों का होगा निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026, शनिवार को जिला न्यायालय सीधी सहित सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जाएगा। आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में होगा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय सीधी में 11, चुरहट में 4, मझौली में 3 तथा रामपुर नैकिन में 3 खंडपीठों का गठन किया गया है इस प्रकार कुल

21 न्यायिक खंडपीठों के माध्यम से मामलों का निराकरण किया जाएगा नेशनल लोक अदालत में समझौता योग्य प्राधिकरक एवं सिविल प्रकरणों के साथ विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, निगोशिएबल इंस्ट्रुमेंट एक्ट के अंतर्गत चेक बाउंस, कूटुम्ब न्यायालय, नगर पालिका के जलकर से संबंधित प्रकरणों तथा विद्युत वितरण कंपनी एवं विभिन्न बैंकों से संबंधित ऋण वसूली के ग्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निराकरण किया जाएगा लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण होने से पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है तथा आपसी सहमति से विवाद का समाधान होने के कारण दोनों पक्षों को राहत मिलती है।

कर्नाटक सरकार ने वंदे मातरम् के केवल दो पद गाने का आदेश दिया

ध्यान रहे इसके बावजूद मुस्लिम लीग अलगाववादी एजेंडे पर चलतो रही और देश के विभाजन का कारण बनी। आखिर कांग्रेस आज भी मुस्लिम लीग की आपत्तियों को महत्व क्यों दे

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का यह आदेश विचित्र और विरोधाभासी ही है कि राजकीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो ही पद गाए जाएंगे। यह आदेश इसलिए हैरान करता है, क्योंकि इसी में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल आदि की उपस्थिति वाले

कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के सभी छह पद गाए जाएंगे। आखिर कर्नाटक सरकार अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के पूर्ण गायन से क्यों हिचक रही है? लगता है ऐसा फैसला केवल इसलिए किया गया ताकि कांग्रेस नेतृत्व और विशेष रूप से गांधी परिवार को संतुष्ट किया जा सके और साथ ही कर्नाटक में किसी राजनीतिक नुकसान से भी बचा जा सके, लेकिन यह याद रखना चाहिए कि दो नावों की स्वारी कभी हितकारी नहीं होती। यह फैसला इसलिए गांधी परिवार के दबाव का नतीजा

दिखता है, क्योंकि इसी 15 अगस्त को कर्नाटक में स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् का पूर्ण गायन हुआ था। वंदे मातरम् को अलग-अलग अवसरों पर अलग-अलग तरीके से गाने का फैसला राष्ट्रीय गीत का अनादर ही है। आखिर जब वंदे मातरम् के पूर्ण गायन को लेकर एक कानून बना दिया गया है, तब फिर उसकी अवहेलना करने का क्या औचित्य?

इससे बड़ी विंडबना और कोई नहीं कि संविधान की शपथ लेने वाली कोई सरकार ही संसद से पारित किसी कानून को अनदेखी करे। यदि सरकारें ही ऐसा करेंगी तो फिर इससे कानून की अवहेलना की प्रवृत्ति को बल ही मिलेगा। कर्नाटक सरकार का फैसला उन तत्वों को बल प्रदान करने वाला है, जो किसी न किसी बहाने राष्ट्रीय प्रतीकों को सम्मान देने से इन्कार करते

हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस वोट बैंक की सस्ती राजनीति के चलते राष्ट्रीय गीत को पूर्ण सम्मान देने के लिए तैयार नहीं। कांग्रेस वंदे मातरम् के दो ही पद गाने पर इसलिए अड़ी है, क्योंकि देश विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग को आपत्ति के बाद 1937 में इस गीत के इतने ही पद गाने का फैसला किया गया था। ध्यान रहे इसके बावजूद मुस्लिम लीग अलगाववादी एजेंडे पर चलती रही और देश के विभाजन का कारण बनी। आखिर कांग्रेस आज भी मुस्लिम

लीग की आपत्तियों को महत्व क्यों दे रही है? कांग्रेस को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस ने वंदे मातरम् का पूर्ण गायन करना पसंद किया। हैरानी यह रही कि कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताई। ऐसा कर उसने अपनी संकुचित मानसिकता का ही परिचय दिया। वह यह देखने को भी तैयार नहीं कि नेशनल कांफ्रेंस ने उसे यह नसीहत देने में देर नहीं की थी कि राष्ट्रीय गीत का गायन किस तरह हो, इसे तय करने का अधिकार उसे नहीं है।

संन्यास : स्वयं से सम्पष्टि की ओर

12 सितंबर 1947 | भारत आजादी की पहली सुबह के उल्लास और विभाजन की विभीषिका के बीच खड़ा था | इतिहास बाहर राजनीतिक स्वतंत्रता का नया अध्याय लिख रहा था और भीतर मनुष्य अपने अस्तित्व, भय और भविष्य के सवालों से जूझ रहा था | उसी समय ऋषिकेश में गंगा के तट पर एक युवा साधक अपने जीवन की ऐसी स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहा था, जिसका अर्थ राजनीतिक मुक्ति से कहीं गहरा था | उस दिन स्वामी शिवानंद सरस्वती ने उन्हें दशानामी संन्यास परंपरा में दीक्षित किया और नाम दिया—स्वामी सत्यानंद सरस्वती | गंगा की धारा के सामने लिया गया वह संकल्प आगे चलकर एक व्यक्ति की निजी आध्यात्मिक यात्रा भर नहीं रहा | उसने योग को आश्रमों और साधना-केंद्रों की सीमाओं से निकालकर सामान्य मनुष्य के जीवन तक पहुंचाने वाले एक व्यापक आंदोलन का रूप लिया |

कुमार कृष्ण
(संन्यास दिवस 12 सितंबर)

इसलिए 12 सितंबर को केवल एक संन्यासी की दीक्षा की तारीख मानना उनके जीवन के अर्थ को छेद कर देना होगा। यह वह दिन था, जब एक मनुष्य ने अपने जीवन को अपने लिए नहीं, एक बड़े उद्देश्य के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया। संन्यास को हम अक्सर संसार से विरक्ति और पलायन के अर्थ में समझते हैं। लेकिन स्वामी सत्यानंद का जीवन इस सामान्य धारणा को उलट देता है। उनका संन्यास संसार छोड़ने का नहीं, अपने छोटे ‘मैं’ से निकलकर व्यापक ‘हम’ में प्रवेश करने का मार्ग बना। गुरु-सेवा से योग-प्रसार, योग-प्रसार से संस्थान-निर्माण, संस्थान-निर्माण के बाद स्वयं संस्थाओं से विरक्ति और अंततः गहन साधना से लोकसेवा तक उनकी यात्रा इसी अर्थ को विस्तार देती है। 1923 में अल्मोड़ा में जन्मे सत्यानंद के भीतर बचपन से ही आध्यात्मिक जिज्ञासा थी। जीवन के सामान्य अनुभव उनके भीतर ऐसे प्रश्न पैदा करते थे जिनका उत्तर केवल बाहरी दुनिया में नहीं था। सतों का सान्निध्य मिला और अंततः गुरु की खोज उन्हें ऋषिकेश तक ले गई। 1943 में उनकी भेंट स्वामी शिवानंद से हुई। यही भेंट उनके जीवन की दिशा बदलने वाली थी।गुरु के आश्रम में उन्होंने जाना कि साधना केवल ध्यान में आंखें बंद कर लेने का नाम नहीं है। सेवा भी साधना है और श्रम भी। आश्रम के छोटे-बड़े कामों में स्वयं को लगाना, शारीरिक श्रम करना और गुरु की सेवा करना उनके व्यक्तित्व को भीतर से गहने की प्रक्रिया थी। संन्यास की दीक्षा के बाद भी उनके सामने कोई तैयार रास्ता नहीं था। गुरु ने उन्हें योग को जनसामान्य तक ले जाने की जिम्मेवारी दी। 1956 के बाद उन्होंने परिव्राजक जीवन अपनाया और भारत में घूमते हुए योग तथा आध्यात्मिक साधनाओं का अनुभव व्यापक बनाया। परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के मुताबिक इसी क्रम में 6 मई को मुंिर आए।आगे चलकर मुंिर उनकी कर्मभूमि बना। 1960 के दशक में इंटरनेशनल योग फेलोशिप मूवमेंट और फिर बिहार स्कूल ऑफ योग के माध्यम से योग की व्यवस्थित ढां से सिखाने और प्रमर्पित करने का काम शुरू हुआ। मुंिर केवल एक आश्रम या योग-शिक्षण का केंद्र नहीं बना। वह उस प्रयोग की भूमि बना जिसमें प्राचीन योग को आधुनिक मनुष्य की आवश्यकताओं के साथ संवाद करने की कोशिश की गई। स्वामी सत्यानंद ने योग को केवल आसन तक सीमित नहीं किया। शरीर, स्वास्थ्य, मन, चेतना और जीवन-पद्धति—इन सबको उन्होंने योग की व्यापक परिधि में रखा। योगनिर्दि, प्राणायाम,



योग विश्वभर में जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है, तब यह याद रखना जरूरी है कि कभी योग को रहस्य, तप और संन्यास की सीमित दुनिया से बाहर निकालना आसान नहीं था। सत्यानंद ने योग को सामान्य गृहस्थ, विद्यार्थी, कर्मचारी और आधुनिक मनुष्य के जीवन से जोड़ने का प्रयास किया। योग को जीवन से जोड़ना ही उनके कार्य की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक था। उनके शिष्य और आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने उनके इस योगदान का मूल्यांकन करते हुए कहा है— ऋ ‘स्वामी सत्यानंद ने योग को नया जीवन, नया जन्म दिया। उन्होंने योग को पुनर्जीवित किया—अन्यथा वह खो जाता। इसलिए स्वामी सत्यानंद आज के पतंजलि हैं।’ ग यह कथन किसी गुरु की प्रशंसा भर नहीं है। इसके भीतर आधुनिक योग

अध्याय शायद उनके द्वारा बनाई गई संस्थाओं से जुड़ा नहीं, बल्कि उन संस्थाओं से स्वयं को अलग कर लेने के निर्णय से जुड़ा है। 1988 में जब उनका योग-अभियान व्यापक पहचान प्राप्त कर चुका था, उन्होंने संगठनात्मक जिम्मेदारियों से स्वयं को अलग किया और स्वामी निरंजनानंद सरस्वती को आगे की जिम्मेवारी सौंपी। यह निर्णय उनके संन्यास के एक नया अर्थ देता है। संस्था बनाना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अपनी बनाई संस्था से मोह छोड़ देना एक दूसरी तरह की साधना है। मनुष्य अक्सर त्याग की बात करता है, लेकिन अपनी उपलब्धियों पर अधिकार देता है। सत्यानंद ने यहां भी अपने जीवन को परीक्षा में रखा। संन्यास का अर्थ केवल वस्तुओं का त्याग नहीं, उपलब्धियों पर अपने अधिकार-बोध का त्याग

वृत्त बनाती है। शुरूआत गुरु-सेवा से हुई थी। फिर योग के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचने का प्रयास हुआ। और अंततः साधना फिर मनुष्य के पास लौट आई। आत्मबोध और लोकमंगल के बीच कोई दीवार नहीं रही। यही वह बिंदु है जहां सत्यानंद की आध्यात्मिकता आज के समय के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि आध्यात्मिकता मनुष्य के दुख से मुंह मोड़ दे तो वह केवल निजी अनुभव रह जाती है। लेकिन यदि साधना हमें दूसरे के दुख को समझने, उसके जीवन को बेहतर बनाने और उसके सम्मान की रक्षा करने की प्रेरणा दे, तब वह सामाजिक अर्थ ग्रहण करती है। आज योग के सामने सबसे बड़ा प्रश्न शायद यही है कि वह बाजार में बिकने वाली जीवनशैली बनकर रह जाए या मनुष्य के भीतर और समाज के बीच कोई गहरा परिवर्तन

चिंताजनक हैं प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सैंध की कोशिशें

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से पहले बीकेसी पुलिस और मुंबई पुलिस की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया . इनके पास से पीएमओ का फर्जी परिचय पत्र और हथियार मिलना मामले की गंभीरता को बढ़ाता है वहीं ऐसे समय में जब देश की राजधानी नईदिल्ली में 11 से 13 सितंबर को ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष आ रहे हैं सुरक्षा में कोई चूक क्षम्य नहीं है ।

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि मुंबई की इस घटना के मुख्य आरोपी रोहन पारेख और उसके बाँडीगाईं दिलीप कुड़े को मंगलवार को अदालत में सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 11 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। सुरक्षा एजेंसी मान रही हैं कि मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित रैली से ठीक पहले तीन संदिग्धों की गिरफ्तारी और उनके पास से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का फर्जी पहचान पत्र, हथियार तथा जिंदा कारतूस बरामद होना एक अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक घटना है। यह केवल एक आपराधिक साजिश का पर्दाफाश नहीं है, बल्कि देश की सर्वोच्च सुरक्षा प्रणाली में मौजूद उन संभावित खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिनका फायदा उठाकर अस्माजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व इतनी गहराई तक घुसपैठ करने में कामयाब हो जाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी शीर्ष जननेता, विशेषकर प्रधानमंत्री की सुरक्षा केवल एक व्यक्ति का विषय नहीं होती, बल्कि यह राष्ट्रीय संप्रभुता, साख और आंतरिक स्थिरता से सीधा जुड़ा हुआ मामला है। ऐसे में इस गंभीर चूक और साजिश की तह तक जाना बेहद जरूरी है। मुंबई पुलिस की स्थानीय खुफिया इकाई और आतंकवाद विरोधी दस्ते की सतर्कता की निश्चित रूप से सराहना की जानी चाहिए, जिनकी समय रहते कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस घटना के जो पहलू सामने आ रहे हैं, वे कई असहज करने वाले सवाल खड़े करते हैं। संदिग्धों के पास से पीएमओ का फर्जी पहचान पत्र मिलना इस बात का प्रमाण है कि साजिशकर्ताओं ने बेहद शक्तिराना योजना बनाई थी। सवाल यह उठता है कि क्या इन संदिग्धों का इरादा रैली स्थल के उस उच्च-सुरक्षा क्षेत्र तक पहुंचना था, जहां केवल अधिकृत

अधिकारियों, विशिष्ट अतिथियों और सुरक्षाकर्मियों को ही जाने की अनुमति होती है? यदि वे फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर



सुरक्षा घेरे को भेदने में सफल हो जाते, तो स्थिति कितनी भयावह हो सकती थी, इसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मौजूदा मामले में बचाव पक्ष के वकीलों ने रोहन का पक्ष रखते हुए पुलिस के दावों को खारिज करने की कोशिश

की. रोहन के वकील ने कोर्ट के सामने दावा किया कि रोहन पारेख कोई अपराधी नहीं बल्कि खुद धोखाधड़ी का शिकार

बचाव पक्ष के वकील से सीधा सवाल पूछ कि क्या आरोपी को प्रधानमंत्री कार्यालय के कार्यक्रम के सुरक्षा प्रोटोकॉल की कोई जानकारी थी? इस सवाल पर वकील ने दलील दी कि रोहन की नीयत खराब नहीं थी. घटना से एक दिन पहले वह सिर्फ व्यवस्था देखने कार्यक्रम स्थल के आसपास गया था और उसने वहां पास के ही एक मॉल से परफ्यूम भी खरीदा था. लेकिन पुलिस का कहना है कि आरोपी ने एक रात पहले आयोजन स्थल के आसपास रेकी भी की थी.मामले में गिरफ्तार दूसरा आरोपी 45 साल का दिलीप कुड़े है. पुलिस ने इसे कल्याण से दबोचा है. वह साल 2024 से रोहन पारेख के बाँडीगाईं के तौर पर काम कर रहा है. जांच में सामने आया है कि दिलीप पूर्व सीआईएसएफ जवान है और जिस रिवांल्वर के साथ वह पकड़ा गया है, उसका लाइसेंस उत्तर प्रदेश का है. इतना ही नहीं, जांच एजेंसियों को पता चला है कि दिलीप कुड़े का परिवार मुख्य रूप से झेन से जुड़े कारोबार में शामिल है. खार इलाके का रहने वाला मुख्य आरोपी रोहन पारेख एक बेहद रसूखदार और बड़े कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखता है. उसके पिता का नाम प्रेमाल पारेख बताया जा रहा है. सुनवाई के दौरान रोहन का पूरा परिवार कोर्ट रूम में मौजूद था.फिलहाल, पुलिस इस गुथी को सुलझाने में जुटी है कि आखिर रोहन ने पीएमओ का फर्जी पहचान पत्र किस मकसद से बनवाया था. क्या उसे सच में किसी तरह नाम के शख्स ने झांसा दिया था या फिर यह सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोई सोची-समझी साजिश थी? पुलिस अब फरार चल रहे तीसरे आरोपी प्रथमेश बागूर की तलाश में छपेमारी कर रही है।

गह्वों में बैठकर-लेटकर जताया विरोध, अब नर्मदापुरम तक पैदल मार्च

नानपा-कुल्हड़ा सड़क की बदहाली से ग्रामीण नाराज स्थायी सड़क नहीं बनी तो चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। टिगरिया से आंवलीघाट को जोड़ने वाले नानपा-कुल्हड़ा मार्ग की बदहाल सड़क को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। नानपा-कुल्हड़ा सड़क संघर्ष समिति के बैनर तले ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह नानपा घाट पर मां नर्मदा का पूजन किया और इसके बाद हाथों में तिरंगा व स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर नर्मदापुरम जिला मुख्यालय के लिए पैदल मार्च शुरू किया। डीजे पर देशभक्ति गीतों के बीच निकले इस मार्च में किसान, मजदूर, विद्यार्थी और महिलाएं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को सामूहिक ज्ञापन सौंपेंगे ग्रामीणों ने बताया कि आंदोलन की शुरुआत 9 सितंबर को नानपा बाना में धरने के साथ हुई थी। पहले दिन धरना रात 11 बजे तक चला। गुरुवार को आंदोलनकारियों ने सड़क के



गह्वों में बैठकर और लेटकर विरोध प्रदर्शन किया ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के कारण मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो गई है जगह-जगह पानी से भरे गड्ढे और कीचड़ होने से आवागमन मुश्किल हो गया है।

मरम्मत को बताया अस्थायी समाधान: प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन के निर्देश पर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण और खनिज विभाग

ने संयुक्त रूप से सड़क के गह्वों में मिट्टी और गिट्टी डालकर मरम्मत शुरू कराई है हालांकि ग्रामीण इसे स्थायी समाधान नहीं मान रहे हैं उनकी मांग करीब 3 किलोमीटर लंबे मार्ग के नए सिरे से स्थायी निर्माण की है नर्मदापुरम एसडीएम देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि सड़क की समस्या को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के प्रतिनिधि राकेश कुमार गौर

तथा नानपा-कुल्हड़ा सहित आसपास के ग्रामीणों से चर्चा की गई है नई सड़क बनाने का निर्णय प्रदेश स्तर से होगा फिलहाल संबंधित विभागों के समन्वय से आवश्यक मरम्मत कराई जा रही है।

चार साल से कर रहे सड़क निर्माण की मांग: ग्रामीणों के अनुसार पिछले करीब चार वर्षों से सड़क निर्माण के लिए आवेदन, सीएम हेल्पलाइन और



जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मांग की जा रही है लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ बारिश में सड़क पर कीचड़ और गहरे गह्वों के कारण वाहन चालकों को परेशानी होती है ग्रामीणों का दावा है कि कई बार वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं ग्रामीणों ने यह भी कहा कि खराब सड़क के कारण 108 एंबुलेंस और जननी एक्सप्रेस जैसी जरूरी सेवाओं को गांव

तक पहुंचने में परेशानी होती है। इससे मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में दिक्कत होती है। समिति के सदस्यों और राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने चेतावनी दी कि सड़क निर्माण और तकनीकी स्वीकृति को लेकर जल्द ठोस निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा ग्रामीणों ने आगामी चुनाव में मतदान के बहिष्कार की चेतावनी भी दी है।

शराब के खिलाफ चौथे दिन भी हंगामा, दुकान में घुसी महिलाएं पचावली में शराब की पेटियां नाले में फेंकीं, अमोलपठा मामले में 15 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में शराब के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा रन्गौद थाना क्षेत्र के पचावली गांव में ग्रामीणों ने सरकारी शराब दुकान के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध के दौरान दुकान का दरवाजा तोड़कर महिलाएं अंदर पहुंच गई उन्होंने दुकान में रखी शराब की पेटियां बाहर निकालीं और नाले में फेंक दीं कुछ पुरुषों द्वारा शराब ले जाने की बात भी सामने आई है ग्रामीणों का कहना है कि शराब की बिजली से गांव के परिवार प्रभावित हो रहे हैं उनका आरोप है कि लंबे समय से शराब की दुकान बंद कराने की मांग की जा रही है लेकिन समाधान नहीं हुआ इसी को लेकर शुक्रवार सुबह ग्रामीण

शराब दुकान पर पहुंचे और बिज्जी बंद कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया कच्ची शराब के खिलाफ महिलाओं ने किया चक्काजाम खोड़ चौकी क्षेत्र में चंदावानी पंचायत के श्रीवरी मजरे की आदिवासी महिलाओं ने भी कच्ची शराब की बिज्जी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया महिलाओं ने खोड़-सिरसौद मार्ग पर सुबह करीब 6 बजे चक्काजाम कर दिया इससे मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची अधिकारियों ने महिलाओं और ग्रामीणों से चर्चा कर समझाइश दी इसके बाद करीब 11 बजे जाम समाप्त हुआ लगभग पांच घंटे तक सड़क पर यातायात प्रभावित रहा।

सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर व्यायाम शिक्षकों की बैठक आयोजित खिलाड़ियों की अधिकाधिक सहभागिता, खेल मैदान एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर बनाई कार्ययोजना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में आयोजित होने वाली विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता की तैयारियों एवं आयोजन की कार्ययोजना को लेकर शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में विकासखंड के व्यायाम शिक्षकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला क्रीड़ा अधिकारी विनोद जायसवाल ने की बैठक में प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं एवं दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान खिलाड़ियों के



पंजीयन एवं सहभागिता, खेल मैदान की तैयारी, आवश्यक खेल सामग्री, निर्णायकों की व्यवस्था, खिलाड़ियों की सुरक्षा

क्रीड़ा अधिकारी विनोद जायसवाल ने सभी व्यायाम शिक्षकों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा अधिक से अधिक खिलाड़ियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का आयोजन खेल भावना, अनुशासन एवं बेहतर समन्वय के साथ किया जाए, ताकि खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर अवसर मिल सके। बैठक में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के व्यायाम शिक्षक किशोर दास, शिव कुमार चौधरी, रणधीर ठाकुर, केमेन्द्र साहू, सुमित जायसवाल एवं गोविंद प्रसाद उपस्थित रहे।

इससे मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने में दिक्कत होती है। समिति के सदस्यों और राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने चेतावनी दी कि सड़क निर्माण और तकनीकी स्वीकृति को लेकर जल्द ठोस निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा ग्रामीणों ने आगामी चुनाव में मतदान के बहिष्कार की चेतावनी भी दी है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका बनने की दौड़:कार्यकर्ता के 2 और सहायिका के 3 पदों के लिए 198 आवेदन, अनंतिम सूची जारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। महिला एवं बाल विकास परियोजना, नर्मदापुरम शहरी और ग्रामीण के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका पदों की भर्ती के लिए अनंतिम सूची का प्रकाशन हो गया है जिसमें कार्यकर्ता के 2 पदों के लिए 127 और सहायिका के 3 पदों के लिए 71 लोगों ने आवेदन किए जिसमें कार्यकर्ता के लिए 39 और सहायिका के लिए 18 अभ्यर्थी के आवेदन पात्र हुए। 141 आवेदन अपात्र हो गए इसकी सूची शहरी, ग्रामीण परियोजना, आंगनवाड़ी और जिला कार्यालय के बोर्ड पर चप्सा है परियोजना अधिकारी



महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम (शहरी/ग्रामीण) ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र सिलारी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 1 पद आंगनवाड़ी केंद्र मंगवारी में आंगनवाड़ी सहायिका के 1 पद एवं आंगनवाड़ी केंद्र ब्यावर क्र-1 में आंगनवाड़ी सहायिका के 1 पद

शहरी परियोजना में वार्ड नंबर 15 के केंद्र 62 में कार्यकर्ता और वार्ड 2 के केंद्र 5 में सहायिका पद के लिए आवेदन आए हैं एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदनों को जांच के बाद 25 अगस्त 2026 को खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक में एसडीएम

नर्मदापुरम की अध्यक्षता में रखा गया समिति द्वारा पात्र और अपात्र आवेदिकाओं की अनंतिम सूची प्रकाशित की गई है अगर किसी आवेदक को इस अनंतिम सूची पर कोई आपत्ति है तो वह सूची के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर अपने दावे-आपत्ति प्रमाण सहित एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकता है। निर्धारित समयवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा समयवधि में प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण जिला स्तरीय निराकरण समिति द्वारा किया जाएगा जिसके बाद अंतिम चयन सूची प्रकाशित की जाएगी।

बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली बिजली के पोल से टकराई, टला बड़ा हादसा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र के कमलागंज स्थित घोसीपुर में शुक्रवार दोपहर बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर के बाद पोल सड़क की ओर झुक गया और बिजली के तारों में कंटेनर प्रवाहित होने से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है घटना दोपहर करीब 3 बजे की बताई जा रही है करौंदी निवासी गोकुल प्रजापति ट्रैक्टर चला रहा था ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा भिड़ी टक्कर के बाद पोल खतरनाक

स्थिति में सड़क की ओर झुक गया कंटेनर प्रवाहित तारों को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी। विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पोल व तारों की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक सावधानी बरती कर्मचारियों ने जल्द कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रित किया हादसे की जानकारी मिलने पर ट्रैक्टर मालिक धर्मेष्ट कुशवाह भी मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों से बातचीत के बाद उन्होंने पोल को अपने खर्चे पर ठीक कराने की बात कही हादसे के बाद मौके पर कुछ देर लोगों की भीड़ लगी रही।

सिवनी मालवा में जलभराव वाले 10 स्थान चिन्हित :नपा-MPRDC ने संयुक्त निरीक्षण किया नई नालियां और पुलिया बनाने की तैयारी



मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा नगरीय क्षेत्र में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या को खत्म करने के लिए नगर पालिका और एमपीआरडीसी ने संयुक्त पहल शुरू की है। शुक्रवार को एमपीआरडीसी के अधिकारियों और नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने शहर के कई इलाकों का दौरा किया। इस दौरान बारिश में पानी जमा होने वाले स्थानों को चिन्हित किया गया नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने बताया कि सिवनी मालवा शहर में करीब 10 जगहों पर जलभराव की समस्या है। इनमें खेड्डाति मंदिर और न्यायालय गेट के पास के क्षेत्र प्रमुख हैं। इन स्थानों पर बारिश के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क और आसपास के इलाकों में पानी जमा हो जाता है बारिश के पानी की निकासी के लिए संभावित स्थानों का जायजा लेते अधिकारी बारिश के पानी की निकासी के लिए संभावित स्थानों का जायजा लेते अधिकारी जल निकासी की व्यवस्था के लिए मौके पर चर्चा करते नपा और एमपीआरडीसी अधिकारी जल निकासी की व्यवस्था के लिए मौके पर चर्चा

करते नपा और एमपीआरडीसी अधिकारी नई नालियां और पुलिया बनाने का प्रस्ताव जलभराव की समस्या खत्म करने के लिए जल्द करने के अनुसार नई नालियां और पुलिया बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। एमपीआरडीसी अधिकारियों के साथ मौके पर जाकर यह देखा जा रहा है कि किस स्थान पर किस तरह की जल निकासी व्यवस्था बनाई जा सकती है अध्यक्ष ने कहा कि शहर में थोड़ी बारिश होने पर भी कई जगहों पर पानी जमा हो जाता है इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है नालियों और पुलियाओं के निर्माण से बारिश के पानी की निकासी बेहतर करने की कोशिश की जाएगी एमपीआरडीसी डीएम ने भी देखा मौका संयुक्त निरीक्षण के दौरान एमपीआरडीसी डीएम अनिरुद्ध बंसल ने जलभराव वाले स्थानों का जायजा लिया उन्होंने प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए संभावित जगहों का भी निरीक्षण किया नगर पालिका अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि प्रस्तावित काम पूरे होने के बाद बारिश के दौरान शहर में जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी।

महिला उत्थान के लिए ‘मिनी माता सम्मान’ वर्ष 2026 हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं, विशेष रूप से अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली राज्य की एक महिला अथवा अशासकीय संस्था को प्रतिवर्ष ‘मिनी माता सम्मान’ (महिला उत्थान) प्रदान किया जाता है इस सम्मान के अंतर्गत चयनित महिला अथवा संस्था को 2 लाख रुपये की सम्मान राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका प्रदान किए जाने का प्रावधान है जिला महिला एवं बाल

विकास विभाग द्वारा पात्र महिलाओं एवं अशासकीय संस्थाओं से वर्ष 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन 25 सितंबर 2026 तक कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जमा कर सकते हैं ‘मिनी माता सम्मान’ से संबंधित पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

जनपद सदस्य ने धरना दिया, लाइनमैन के निलंबन की मांग खराब ट्रांसफार्मर बदलने और सपलाई बंद करने की दी चेतावनी



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलास जनपद क्षेत्र के खई गांव में शुक्रवार को बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सब स्टेशन पर धरना दिया। जनपद सदस्य शिवकुमार चौहान ग्रामीणों के साथ जानकारी दी उन्होंने बताया कि लापरवाही के आरोप लगाए ग्रामीणों ने लंबे समय से खराब पड़े बिजली ट्रांसफर्मरों को बदलने और लाइनमैन को निलंबित करने की मांग की। चौहान ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो वे बिजली सब स्टेशन की सपलाई बंद करेंगे और अगले दिन आमरण अनशन शुरू करेंगे सात महीने से खराब है ट्रांसफर्मर जनपद सदस्य शिवकुमार चौहान का आरोप है कि रजगढ़ गांव की हरिजन बस्ती और परिहार बस्ती में करीब सात महीने से ट्रांसफर्मर खराब पड़े हैं ग्रामीण कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ चौहान का कहना है कि लाइनमैन ने बिजली बिल जमा नहीं होने का हवाला देकर ट्रांसफर्मर बदलने में रूकावट डाली और अधिकारियों को भी गलत जानकारी दी उन्होंने बताया कि करीब चार महीने की कोशिश के बाद आदिवासी बस्ती का ट्रांसफर्मर बदला जा सका। वहीं, कुशवाह मोहल्ले में पिछले 15 दिनों से डीपी खराब है लेकिन अब तक उसे ठीक नहीं किया गया

चौहान ने ट्रांसफर्मर के नाम पर 30 हजार रुपए वसूल जाने का आरोप भी लगाया एक फेस पर चलाया जा रहा ट्रांसफर्मर चौहान का आरोप है कि दो फेस के ट्रांसफर्मर को एक फेस पर चलाया जा रहा है। इससे इलाके में बिजली सपलाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीपीएल लाइन से इलाके की पंप लाइन को बिजली दी जा रही है। इसके कारण ग्रामीणों को लो-वोल्टेज और लगातार बिजली कटौती की परेशानी झेलनी पड़ रही है मांग पूरी नहीं हुई तो सपलाई बंद करने की चेतावनी धरने के दौरान शिवकुमार चौहान ने कहा कि अगर शुक्रवार को लाइनमैन को निलंबित नहीं किया गया और खराब ट्रांसफर्मरों की समस्या हल नहीं हुई तो देर शाम बिजली सब स्टेशन की सपलाई बंद कर दी जाएगी उन्होंने चेतावनी दी कि इसके बाद भी मांग पूरी नहीं हुई तो अगले दिन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा लाइनमैन धनीराम प्रजापति ने आरोपों से इंकार करते हुए बताया कि रजगढ़ गांव में 63 व्कीए की एक डीपी खराब हुई थी। उसकी रिपेयरिंग कराई गई, लेकिन इसके बाद भी वह केवल एक फेस आउटपुट दे रही है। उन्होंने कहा कि जनपद सदस्य ने ट्रांसफर्मर तत्काल बदलवाने की मांग की थी, लेकिन ट्रांसफर्मर बदलना लाइनमैन के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

चुप्पी तोड़ें, संवाद जोड़ें - एक बातचीत बचा सकती है जिंदगी

आत्महत्या पर कथा को बदलें, बातचीत शुरू करें लालपुर में विद्यार्थियों को दिया जागरूकता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर ‘आत्महत्या पर कथा को बदलना (Changing the Narrative on Suicide)’ बातचीत शुरू करें (Start the Conversation)’ विषय पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लालपुर में विद्यार्थियों के लिए आत्महत्या रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निदेशानुसार, जिला नोडल अधिकारी (मानसिक स्वास्थ्य) डॉ. नम्रता चक्रवर्ती के मार्गदर्शन तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल के समन्वय से ए.के. नर्सिंग कॉलेज के शिक्षकों एवं



नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा आयोजित एवं संचालित किया गया कार्यक्रम में पोस्टर एवं प्रदर्शनी पट्टिकाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्महत्या से जुड़े संभावित चेतावनी संकेतों की जानकारी दी गई। इनमें व्यवहार एवं मनोदशा में अचानक बदलाव, मित्रों और

परिवार से दूरी बनाना, निराशा व्यक्त करना तथा जीवन समाप्त करने संबंधी बातें करना प्रमुख संकेतों के रूप में बताए गए विद्यार्थियों को समझाया गया कि ऐसे संकेतों को नजर अंदाज न करें और संबंधित व्यक्ति की बात बिना आलोचना किए संवेदनशीलता के साथ सुनें



नर्सिंग कॉलेज के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों से संवेदनशील एवं प्रभावी संवाद किया। इस दौरान बताया गया कि आत्महत्या जैसे संवेदनशील विषय पर बातचीत करना किसी व्यक्ति को अपनी परेशानी साझा करने, भावनाओं को

व्यक्त करने और स्वयं को समझा हुआ महसूस करने का अवसर देता है आवश्यकता होने पर परिवार, शिक्षक, परामर्शदाता या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से समय रहते सहायता लेने के लिए भी प्रेरित किया गया जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की ओर से आमजन, विद्यार्थियों एवं

अभिभावकों से अपील की गई कि मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें तथा अत्यधिक तनाव निराशा या भावनात्मक परेशानी को नजर अंदाज न करें समय रहते अपनी बात किसी विश्वसनीय व्यक्ति से साझा करना और विशेषज्ञ सहायता लेना महत्वपूर्ण है सकरात्मक आत्म-संवाद, योग, ध्यान तथा स्वयं के प्रति स्नेह एवं सम्मान जैसे स्वस्थ आदतों को जीवन शैली में शामिल करने की सलाह दी गई मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए उेली-मानस हेल्पलाइन 14416 (24म7) एवं उेली-मानस मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा सकता है चुप्पी नहीं, संवाद चुनें-सही समय पर शुरू हुई एक बातचीत किसी का जीवन बचाने की दिशा में पहला कदम हो सकती है।

सांदीपनी स्कूल बस की टकर से पुल से गिरा ऑटो

मूंग लेकर इटारसी जा रहा था चालक, हादसे के बाद बस ड्राइवर मौके से भागा



मीडिया ऑडीटर,सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा से इटारसी मूंग लेकर जा रहा ऑटो गुरुवार को भीलट देव पुल के पास स्कूल बस की टक्कर से पुल के नीचे जा गिरा। ऑटो चालक उसमें फंस गया था, जिसे स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। हादसे में चालक को हल्की चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सांदीपनी स्कूल की बस नंबर 15 ने ऑटो को टक्कर मारी और बस चालक मौके पर नहीं रुका। हादसे के बाद वह बस लेकर फरार हो गया।

टक्कर के बाद पुल से नीचे गिरा ऑटो: ऑटो चालक ने बताया कि वह सिवनी मालवा से मूंग लेकर इटारसी मंडी जा रहा

▶▶ ऑटो में फंसे चालक को लोगों ने निकाला

हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ऑटो पुल के नीचे गिरा होने के कारण चालक उसमें फंसा था। लोगों ने प्रयास कर उसे बाहर निकाला। उसे हल्की चोटें आई हैं। हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

▶▶ बस रोकने के बजाय चालक के फरार होने का आरोप

जनपद सदस्य और प्रत्यक्षदर्शी शेर सिंह दरबार ने आरोप लगाया कि ऑटो को टक्कर मारने के बाद बस चालक ने वाहन नहीं रोका और बस लेकर मौके से चला गया। घटना के बाद काफी देर तक मौके पर लोगों की भीड़ जमा रही।

▶▶ बस चालक की पहचान और कार्रवाई की मांग

हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों ने बस चालक की पहचान कर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। क्षतिग्रस्त ऑटो को भी मौके से हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

था। भीलट देव पुल के पास बस टक्कर लगते ही ऑटो अनियंत्रित ने ऑटो को टक्कर मार दी। होकर पुल से नीचे गिर गया।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम के साथ 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर,सीहोर(निप्र)। जिले में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह-2026 का आयोजन 9 सितम्बर से 8 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह की थीम ‘हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी’ है। थीम के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों को बच्चों, महिलाओं एवं समुदाय के पोषण और स्वास्थ्य से जोड़ते हुए जनभागीदारी एवं सामुदायिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ अवसर पर जिले में पोषण संकल्प, जन-जागरूकता रैली एवं दीवार लेखन जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जन-जागरूकता रैली के माध्यम से आमजन को पोषण के महत्व एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया, वहीं पोषण संकल्प के माध्यम से पोषण संबंधी सकारात्मक व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया। दीवार लेखन के माध्यम से भी पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों, महिलाओं एवं समुदाय को पोषटिक एवं संतुलित आहार, स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों के उपयोग तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी। हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी की भावना के साथ जिले में आंगनवाड़ी केन्द्रों को समुदाय की सक्रिय भागीदारी का केन्द्र बनाते हुए पोषण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

हरदा में नवविवाहिता की मौत
पति मजदूरी से लौटा तो पत्नी उल्टियां कर रही थी, अस्पताल ले जाते समय तोड़ दम



हरदा (निप्र)। हरदा जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रान्याखेड़ी गांव में गुरुवार शाम 23 साल की नवविवाहिता की सदृग्ध हालात में मौत हो गई। महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। शुक्रवार सुबह नायब तहसीलदार की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

छह महीने पहले हुई थी शादी: रान्याखेड़ी गांव के वीरेंद्र कलम ने बताया कि करीब छह महीने पहले उसकी शादी रूपीपेरिया गांव की शिवानी (23) से सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के बाद से शिवानी अपने ससुराल में परिवार के साथ रह रही थी।

शाम को बिगड़ी तबीयत, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत: वीरेंद्र के मुताबिक, वह गुरुवार सुबह मजदूरी के लिए घर से चला गया था। शाम को वापस लौटा तो शिवानी उल्टियां कर रही थी और उसे चक्कर भी आ रहे थे। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर जाने लगे। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही शिवानी ने दम तोड़ दिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह: एसआई पुरुषोत्तम गौर ने बताया कि महिला नवविवाहिता थी, इसलिए नायब तहसीलदार की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छतरपुर में घर में दिखा 10 फीट का अजगर

सर्पमित्र ने 15 मिनट में रेंस्यू कर जंगल में छोड़

छतरपुर(निप्र)। छतरपुर शहर की छत्रसाल नगर कॉलोनी में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक घर के आंगन में 8 से 10 फीट लंबा अजगर दिखाई दिया। अजगर कुछ खाकर आंगन में आराम कर रहा था। अचानक इतने बड़े सांप को देखकर परिवार के लोग घबरा गए और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। अजगर को देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई, जिससे कुछ देर इलाके में हलचल का माहौल रहा।

बाथरूम जाने उठे तो आंगन में दिखा अजगर: जानकारी के मुताबिक, दीनदयाल पाल रात में बाथरूम जाने के लिए उठे थे। इसी दौरान उनकी नजर आंगन में पड़े अजगर पर पड़ी। उन्होंने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सर्पमित्र को अजगर पकड़ने की जानकारी दी।

15 मिनट में पहुंचा सर्पमित्र: रात करीब 12:30 बजे पुलिस ने सर्पमित्र आकाश सिंह रावैड़ को अजगर मिलने की सूचना दी। सूचना मिलते ही आकाश करीब 15 मिनट में मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सावधानी से अजगर को पकड़ने की कोशिश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद उन्होंने अकेले ही अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया।

त्योहारों की मांग को देखते हुए निजामुद्दीन-दादर ट्रेन चलाएगा रेलव

13 अटूबर से होगी शुरूआत, रतलाम में रहेगा स्टॉपेज, जाने ट्रेन का शेड्यूल



सुबह 10.35 बजे रतलाम पहुंचेगी और 10.40 बजे रवाना होकर रात 10.40 बजे दादर पहुंचेगी।

इसी तरह ट्रेन नंबर 04001 दादर से 15 अक्टूबर से 26 नवंबर 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। यह ट्रेन रात 12.15 बजे दादर से रवाना होकर सुबह 9.30 बजे रतलाम पहुंचेगी और 9.35 बजे रवाना होकर रात 9.35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

दोनों दिशाओं में आठ स्टेशनों पर ठहराव: ट्रेन को दोनों दिशाओं में कोसी कलां, मथुरा, गंगापुर सिटी, कोटा, रतलाम, चंडोदरा, सूरत और बोरीवली स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी श्रेणी के कोच रहेंगे। यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग 12 सितंबर से सभी यात्री आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी।

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। यात्रियों की सुविधा और त्योहारों के दौरान बढ़ती यात्रा मांग को देखते हुए रेलवे हजरत निजामुद्दीन-दादर के बीच सुपरफास्ट ट्रेन चलाएगा। यह ट्रेन रतलाम मंडल के रतलाम स्टेशन से होकर गुजरेगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में निर्धारित अवधि के दौरान साप्ताहिक रूप से चलेगी।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि ट्रेन नंबर 04002 हजरत निजामुद्दीन से 13 अक्टूबर से 24 नवंबर 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी। यह ट्रेन रात 11.45 बजे हजरत निजामुद्दीन से रवाना होकर अगले दिन बुधवार को

कच्ची शराब के ठिकानों पर पुलिस की दबिश

बीना में 1200 लीटर महुआ लहान नष्ट, 5 लीटर कच्ची शराब के साथ युवक गिरफ्तार



मीडिया ऑडीटर,बीना,(निप्र)। बीना के खिमलासा थाना क्षेत्र के टांडा गांवों में कच्ची शराब बनाने और बेचने की शिकायतों के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार शाम पुलिस टीम ने

जंगराई टांडा और बसाहरी टांडा समेत कई जगहों पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कच्ची शराब बनाने के लिए तैयार किया गया करीब 1200 लीटर महुआ लहान नष्ट किया गया।

● युवक के पास से 5 लीटर कच्ची शराब जप्त

खिमलासा थाना प्रभारी राधेश्याम पटेल ने बताया कि जंगराई टांडा गांव में कार्रवाई के दौरान करण पिता जेमा बंजारा (25) के पास से 5 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब जप्त कर युवक के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

● बसाहरी टांडा में लहान नष्ट किया

पुलिस टीम ने बसाहरी टांडा गांव में भी दबिश दी। यहां कच्ची शराब बनाने के लिए तैयार किया गया महुआ लहान मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने क्षेत्र में अन्य संभावित ठिकानों की भी जानकारी जुटाई।

● खबर के बाद पुलिस ने बढ़ाई सक्रियता:

खिमलासा थाना क्षेत्र के टांडा गांवों में लंबे समय से कच्ची शराब बनाने और बेचने की शिकायतें मिल रही थीं। इसे लेकर ग्रामीणों में भी नाराजगी थी। इस संबंध में खबर सामने आने के बाद पुलिस ने क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाई है। पुलिस अब उन स्थानों पर भी नजर रख रही है महुआ से कच्ची शराब बनाए जाने की आशंका है।

● शराब बनाने और सप्लाई करने वालों की तलाश:

पुलिस के अनुसार कार्रवाई में बड़ी मात्रा में महुआ लहान नष्ट किया गया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कच्ची शराब बनाने और उसकी सप्लाई में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत पिंग ड्राइविंग लायसेंस शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जैन कॉलेज, विदिशा में परिवहन विभाग के सहयोग से किशोरी बालिकाओं एवं सशक्त वाहिनी अभियान की बालिकाओं हेतु पिंग ड्राइविंग लायसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 67 बालिकाओं के लर्निंग ड्राइविंग लायसेंस बनाए गए। इस अवसर पर बालिकाओं को सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से श्री संतोष रघुवंशी, परिवहन विभाग से श्री राजेंद्र चंद्रवंशी, सशक्त वाहिनी की प्रशिक्षिका सुश्री पलक भार्गव सहित बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं। शिविर के दौरान श्री संतोष रघुवंशी ने बालिकाओं को पिंग ड्राइविंग लायसेंस शिविर के उद्देश्य एवं महत्व के संबंध में जानकारी दी। वहीं परिवहन विभाग के श्री राजेंद्र चंद्रवंशी ने बालिकाओं को वाहन चलाने के नियमों, सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित वाहन संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयों प्रदान कीं। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से बालिकाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

टोंकखुर्द में अवैध शराब के अड्डों पर आबकारी का छापा



1050 किलो लाहन और 30 लीटर शराब जप्त, 5 केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, देवास (निप्र)।

देवास के टोंकखुर्द क्षेत्र में अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई की। टीम ने 1050 किलो महुआ लाहन और 30 लीटर हाथ भट्ठी शराब जप्त की। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की अलग-अलग धाराओं के तहत पांच केस दर्ज किए गए हैं। जप्त सामान की कीमत करीब 1 लाख 11 हजार रुपए बताई गई है। विभाग ने मामलों में जांच शुरू कर दी है।

दोंता जागीर और चिड़ावद में दी दबिश: आबकारी विभाग की टीम ने टोंकखुर्द वृत्त के ग्राम दोंता जागीर के

● अधिकारियों के निर्देश पर हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त के निर्देश पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में की गई। टीम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलेश पवार, आबकारी उपनिरीक्षक कैलाश जामोद, राजश्री खन्ना गहलोत और अरविंद सोलंकी सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

● अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी

आबकारी विभाग ने बताया कि अवैध शराब बनाने, रखने और बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। विभाग की टीम द्वारा ऐसे क्षेत्रों में लगातार निगरानी और कार्रवाई की जाएगी।

सांसी मोहल्ले और ग्राम चिड़ावद के कजर डेर में छापा मारा। यहां अवैध रूप से शराब बनाने के लिए तैयार

किया गया महुआ लाहन और हाथ भट्ठी शराब मिली। टीम ने मौके से सामग्री जप्त कर पांच प्रकरण दर्ज किए।

यूएस ओपन

राजीव राम ने पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में हार के बाद लिया संन्यास



न्यूयॉर्क एजेंसी। पूर्व डबल्स वर्ल्ड नंबर 1 राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी को छठी सीड वाली जर्मन जोड़ी ने यूएस ओपन 2026 के डबल्स के सेमीफाइनल में हराया। इस हार के साथ ही राजीव राम ने टेनिस को अलविदा कहा। 2021 से 2023 तक हर साल यूएस ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली राम और सैलिसबरी की जोड़ी को केविन क्राविएट्ज और टिम पुएट्ज से 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। यूएसटीए के सीईओ ब्रेग टिली और यूएस ओपन टूर्नामेंट के निदेशक एरिक बुटोरेक ने राजीव राम को उनके बेहतरीन करियर के लिए बधाई दी। बता दें कि टिली, इलिनोइस यूनिवर्सिटी में राम के कॉलेज कोच हैं, जबकि एरिक उनके पूर्व डबल्स पार्टनर रहे हैं। राम और उनके लंबे समय के डबल्स पार्टनर सैलिसबरी टूर्नामेंट के इतिहास में अकेले ऐसे जोड़ी हैं जिन्होंने मेन्स डबल्स में तीन बार जीत हासिल की है। इंडियाना के रहने वाले राम ने लगातार 26 बार यूएस ओपन पुरुष डबल्स खेला है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है। राजीव राम ने सेमीफाइनल के बाद कहा, 'वह इस खेल को अलविदा कहने का इससे बेहतर तरीका सोच भी नहीं सकते थे।' यूएसओपन.ओआरजी से बात करते हुए राजीव राम ने कहा, 'इमानदारी से कहूँ तो, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। मेरा परिवार, मेरी पत्नी और मेरी मां वहां थीं।

गॉफ की हराकर रायबाकिना फाइनल में, सबालेंका से खिताबी मुकाबला



न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली है। रायबाकिना ने अमेरिकी कोकी गॉफ को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। वह पहली बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए एक जबरदस्त और रोमांचक मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद एलेना रायबाकिना ने जोरदार वापसी करते हुए कोकी गॉफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने अच्छी शुरुआत की और राइबाकिना पर शुरू में ही दबाव बना दिया, पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रायबाकिना ने जब पहला सेट गंवाया, उस समय ऐसा लग रहा था कि वह एक बार फिर से यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने का मौका चूक जाएंगी। लेकिन 27 साल की खिलाड़ी ने अपने खेल का स्तर उठाते हुए जोरदार वापसी की और अगले दो मुश्किल सेटों में अपना धैर्य बनाए रखा और जीत हासिल की। दूसरा सेट करीबी रहा, लेकिन राइबाकिना को वह ब्रेक थ्रू मिल गया जिसकी उन्हें जरूरत थी। उन्होंने इसे 6-4 से जीतकर मैच के निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। रायबाकिना आखिरी सेट में जीत के करीब पहुंच गईं, लेकिन फिनिश आसान नहीं था। जब राइबाकिना मैच के लिए सर्व कर रही थीं, तब गॉफ ने ब्रेक बैक किया, लेकिन दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी ने तुरंत जवाब दिया और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका ने पेगुला को हराकर फाइनल में जगह बनाई, लगातार तीसरे खिताब से एक जीत दूर



न्यूयॉर्क एजेंसी। टॉप सीड एरिना सबालेंका लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने से मात्र एक जीत दूर है। टॉप सीड एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में तीसरी सीड अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के फाइनल में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में एरिना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। सबालेंका ने अपने शानदार सर्विस गेम और जबरदस्त ग्रांडस्ट्रोक से पेगुला को कभी भी मुकाबले में आने ही नहीं दिया। हार के साथ ही पेगुला का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना टूट गया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने ज्यादा कुछ नहीं दिया, शानदार सर्व करते हुए मैच को 12वें गेम तक सर्व पर बनाए रखा, जिसमें सबालेंका 6-5 से आगे थीं। सबालेंका के जोरदार ग्रांडस्ट्रोक के बाद पेगुला 0-40 से पीछे हो गई और अंततः पहला सेट एरिना के नाम रहा। उन्होंने दूसरे सेट में भी मोमेंटम बनाए रखा, पेगुला के संदिग्ध दूरेसे सर्व पर अटक किया और कॉर्नर में लेजर फोरहैंड मारकर 3-1 की बढ़त के लिए जरूरी ब्रेक हासिल किया।

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन एजेंसी। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच गोलों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रास पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो



मिनट में ही बढ़त मिल गई।

हैरी केन को रोकने की कोशिश

में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा

माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ड कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया।

बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्ट्रुप को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया।

ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए।

जीत के बाद केन ने कहा, हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।

डीडीसीए ने 2025-26 सीजन के लिए 1.43 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी



नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने 2025-26 सीजन के लिए क्लबों और खिलाड़ियों को कुल 1.43 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी। एसोसिएशन ने इस बार सभी कैटेगरी में पुरस्कार राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। ये पुरस्कार गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित सालाना पुरस्कार वितरण

समारोह में दिए गए। इसमें डीडीसीए के अलग-अलग टूर्नामेंट में चैंपियन, रनर-अप और बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह में डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली, सचिव अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष शिखा कुमार, कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला और संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर भी मौजूद रहे। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए डीडीसीए ने एक बड़ा फैसला लिया। पहली बार महिला टी20 लीग में खेलने वाले क्लबों के लिए भी पुरस्कार राशि शुरू की गई है। टूर्नामेंट के 10 ग्रुपों में से प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीम को 2 लाख रुपये जबकि उपविजेता टीम को 1.75 लाख रुपये दिए गए। रोहन जेटली ने कहा, 'डीडीसीए दिल्ली में क्रिकेट को हर स्तर पर मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। चाहे नए खिलाड़ियों को मौका देना हो या बड़े टूर्नामेंट आयोजित करना, हमारा लक्ष्य क्रिकेट का विकास करना है। खिलाड़ियों और टीमों के अच्छे प्रदर्शन को सम्मान और पुरस्कार देना इस प्रयास का अहम हिस्सा है। इससे उन्हें और बेहतर खेलने, कड़ी मेहनत करने और बड़ी सफलता हासिल करने की प्रेरणा मिलती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इसके साथ ही हम महिला क्रिकेट के लिए बेहतर रास्ते बनाने और यह पक्का करने पर ध्यान दे रहे हैं कि सभी कैटेगरी के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए जरूरी सपोर्ट और मौके मिलें। हमारा मकसद एक ऐसा इकोसिस्टम बनाना है जहां बेहतरीन प्रदर्शन को पहचाना जाए और अगली पीढ़ी के क्रिकेटर्स को वह प्लेटफॉर्म मिले जिसके वे हकदार हैं।' समारोह में डीडीसीए लीग 40 ओवर टूर्नामेंट, पुरुष टी20 लीग और हॉट वेदर टूर्नामेंट में किए गए प्रदर्शन के साथ-साथ सीजन के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले व्यक्तिगत खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। डीडीसीए के सेक्रेटरी अशोक शर्मा ने कहा कि इन पुरस्कारों का मकसद युवा क्रिकेटर्स को ऊंचे स्तर पर पहुंचने के लिए लगातार मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

अमित असावा: राजस्थान को अपनी कोचिंग में लगातार दो बार रणजी चैंपियन बनाया



नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे नाम हैं जिन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम मौके मिले। इसकी वजह से उनकी अंदर मौजूद पूर्ण क्षमता का प्रदर्शन नहीं सका। ऐसे खिलाड़ी एक साधारण और गुमनाम क्रिकेटर के रूप में खेल से विदा हो जाते हैं। लेकिन, कुछ ऐसे भी खिलाड़ी होते हैं जो एक क्रिकेटर के तौर मिली असफलता से निराश नहीं होते और कोच के तौर पर बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं। क्रिकेटर के तौर पर असफल लेकिन कोच के तौर पर बड़ी सफलता हासिल करने वाले भारतीय क्रिकेट के प्रमुख नामों में से एक नाम अमित असाव का है। अमित असावा का जन्म 12 सितंबर 1963 को इंदौर, मध्यप्रदेश में हुआ था। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज थे और दाएं हाथ से ऑफ स्पिन गेंदबाजी किया करते थे। असावा ने राजस्थान के लिए घरेलू क्रिकेट खेला। 1984 से 1991 के बीच राजस्थान के लिए उन्होंने 26 प्रथम श्रेणी और 1 लिस्ट ए मैच खेले। 42 प्रथम श्रेणी पारियों में अमित ने 1 शतक और 6 अर्धशतक लगाते हुए 1,125 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर 128 रन था। वहीं, 2 विकेट हासिल किए। एकमात्र लिस्ट ए मैच में उन्होंने नाबाद 34 रन की पारी खेली थी। अमित असावा को एक खिलाड़ी के तौर पर बेशक बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन कोच के तौर पर उन्होंने घरेलू क्रिकेट में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। अमित असावा की कोचिंग में ही राजस्थान ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। राजस्थान ने असावा की कोचिंग में न सिर्फ पहला रणजी (2010-11) का खिताब जीता, बल्कि अगले साल (2011-12) में इस खिताब का सफलतापूर्वक बचाव भी किया।

पाकिस्तान में वालिटी है, युवा खिलाड़ियों पर बहुत जल्द कोई धारणा नहीं बना सकते: माइकल स्मिथ



बर्मिंघम एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। शुरुआत 2 मैच हारकर पहले ही सीरीज गंवा चुकी पाकिस्तान की स्थिति बर्मिंघम में

खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में भी चिंताजनक है। सीरीज में पाकिस्तान के सीनियर और जूनियर दोनों ही खिलाड़ियों ने निराश किया है। तीसरे टेस्ट के लिए पाकिस्तान से बुलाए गए युवा खिलाड़ी भी असरहीन

रहे हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच माइकल स्मिथ ने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी युवा खिलाड़ियों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से बहुत सारे अच्छे क्रिकेटर आ रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए स्मिथ ने कहा, 'दूसरे टेस्ट के बाद चल रही जांच के बारे में मुझे कुछ नहीं पता। मैं इस तरह की किसी भी चीज पर टिप्पणी नहीं कर सकता। खिलाड़ियों की बात करें, तो पाकिस्तान में बहुत क्वालिटी है। हमने इसे कई सालों से देखा है और कई देशों में थोड़े-बहुत बदलाव होते हैं। यह एक ऐसा देश है जहां हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी के साथ कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। यह सीखने की बात है और हम उन्हें कितनी जल्दी सीखा सकते हैं और टेस्ट के माहौल में सहज बना सकते हैं। इससे उन्हें लंबे समय में सच में मदद मिलेगी।' स्मिथ ने बल्लेबाजी लाइनअप के लिए एक 'बदलाव का समय' और ज्यादा देर तक बल्लेबाजी न कर पाने की उनकी नकामी को माना।

उन्होंने कहा, 'हमने कुछ बहुत अच्छे संकेत दिखाए हैं। मुझे लगता है कि शायद सबसे बड़ा सबक यह है कि हमें अपने कुछ खिलाड़ियों को कभी-कभी कुछ खास गेम प्लान के तहत घंटों तक खेलने की जरूरत है। सऊद शकील ने हमें कई बार दिखाया है।

अजान अवैस और शान मसूद ने भी दिखाया है। हमें इसकी जरूरत घंटों तक है, न कि सिर्फ आधे सेशन के लिए।' बल्लेबाजी कोच ने कहा, 'कुछ खिलाड़ियों का यह इंग्लैंड का पहला टूर है। उन्हें टेस्ट का ज्यादा अनुभव नहीं है। वे कुछ मुश्किल सबक सीख रहे हैं और उन्हें टेस्ट संकेत पर सीखना होगा जो एक मुश्किल काम है। हमें यह पक्का करने रहना होगा कि हम कभी-कभी छोटे-छोटे अच्छे संकेत दिखा रहे हैं, लेकिन अब हमें उस कॉन्फिडेंस को फिर से पाने के लिए बड़ा खेल दिखाने की जरूरत है।'

स्मिथ ने कहा कि टीम अपनी मुश्किलों के बावजूद अच्छे मूड में है। युवा बल्लेबाजों के बारे में अभी कोई फैसला करना जल्दबाजी होगी। यह मुश्किल क्रिकेट है, लेकिन एक चीज जो हमारे लड़के सच में कर रहे हैं, वह है टूर पर होने को अपनाना और असल में टूर पर खुद का और एक ग्रुप के तौर पर, पूरी टीम का मजा लेना। इस सीरीज से थोके पहले बैटिंग कोच के तौर पर चुने जाने के बाद, स्मिथ ने कहा कि उन्हें यह देखने के लिए और समय चाहिए कि खिलाड़ियों को इस सीरीज में सामने आई चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए बदलावों की जरूरत है या नहीं। बैटिंग कोच के तौर पर मेरे सामने जो चुनौती है, वह बहुत ही रोमांचक है।

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने Fiscal Frontier 2.0 कार्यक्रम में साझा किए विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के विचार



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वित्त मंत्रीओपी चौधरी रायपुर में CII Chhattisgarh द्वारा आयोजित OFiscal Frontier 2.0 - Market in 2026' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की थीम ÖReshaping Wealth, Reimagining Growth in Turbulent TimesÖ रही। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, निवेश, आर्थिक विकास और भविष्य की विकास रणनीतियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में आर्थिक विकास को नई दिशा देने के लिए दूरदर्शी नीतियों, नवाचार और मजबूत वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों को चुनौती के साथ-साथ नए अवसरों के रूप में भी देखना होगा।उन्होंने छत्तीसगढ़ में निवेश, उद्योग, अयोसंरचना और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक आधार, सुशासन, निवेश अनुकूल वातावरण और नवाचार आधारित विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को नई आर्थिक उंचाइयों तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में उद्योग जगत, वित्तीय क्षेत्र और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान आर्थिक विकास की बदलती दिशा, बाजार की संभावनाओं और भविष्य की विकास रणनीतियों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का समस्त छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अधिक दर पर शराब बेचने वालों पर शिकंजा,आबकारी विभाग ने दो अफसर किए निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में शराब की निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बिक्री और अवैध शराब निर्माण के खिलाफ आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। राज्य स्तरीय उडनदस्ता की जांच में महासमुंद्र जिले की कम्पोजिट मदिरा दुकान तुमा डबरी (बेमचा) में निर्धारित कीमत से अधिक दर पर शराब बेचने की पुष्टि होने के बाद आबकारी उप निरीक्षक श्री नितेश सिंह बैस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण से जुड़ी सामग्री की बड़ी बरामदगी के मामले में आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती रानू मरकाम तथा जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय के प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री मधुकर श्याम हरित के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई है। 190 रूपए की शराब 200 रूपए में बेची राज्य स्तरीय उडनदस्ता की टीम ने 07 सितंबर 2026 को महासमुंद्र जिले की कम्पोजिट मदिरा दुकान तुमा डबरी (बेमचा) में आकस्मिक निरीक्षण किया।

सके अलावा विभिन्न बांडों के स्टिकर एवं होलोग्राम की कीमत 59,645 रुपये बताई गई है। कुल खाली बोतल/पैवा की संख्या 4409 नग है, जिसकी कीमत 22,045 रुपये बताई गई है। वहीं विभिन्न प्रकार के कुल 3380 नग ढक्कन भी बरामद किए गए हैं।

आदिवासी जमीन के बेनामी खेल पर शिकंजा, नौकर-रिश्तेदार के नाम खरीदी गई जमीनों की हेमगी जांच

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों के अप्रत्यक्ष नियंत्रण में जाने से रोकने के लिए शासन ने सख्त रुख अपनाया है। गैर-आदिवासियों द्वारा आदिवासी भूमि को सीधे अपने नाम पर खरीदने के बजाय नौकर, परिचित, रिश्तेदार अथवा अन्य व्यक्ति के नाम पर पंजीयन कराने और बाद में भूमि पर वास्तविक कब्जा एवं नियंत्रण रखने के मामलों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे संदिग्ध मामलों में भूमि के आगे के हस्तांतरण पर नियमानुसार रोक लगाने तथा कानून के विपरीत पाए जाने वाले पुराने मामलों में भूमि को पुनः आदिवासी खातेदार के पक्ष में बहाल करने की कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के प्रस्ताव पर महानिरीक्षक पंजीयन छत्तीसगढ़ ने कलेक्टरों को लिखे पत्र में इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा इस संबंध में शासन को पत्र भेजकर आदिवासी भूमि के संरक्षण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का सुझाव दिया गया था।

नशे से दूर रहकर युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं:राज्यपाल डेका

नशा मु्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का विश्वविद्यालय में समापन



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत विगत एक माह से आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आज समापन हुआ। कार्यक्रम में कुलाधिपति एवं राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की भी महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उनके विचार, संकल्प और सपने राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। इसलिए युवा शक्ति को नशे जैसी बुराइयों से बचना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को युवाओं को नशामुक्त बनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के

उद्देश्य से इस महाअभियान की शुरुआत की है। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। आज पारंपरिक नशे के साथ सूखे नशे का चलन भी बढ़ रहा है, जो युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। राज्यपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति की सही और गलत में अंतर करने की क्षमता को प्रभावित करता है। नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को दोषी मानने के बजाय उसके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने हुए काउंसलिंग और आवश्यकता पड़ने पर उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। अधिक नशे से मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। डेका ने कहा कि नशे से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। जीवन में परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, असफलता का भय और अपेक्षाओं का बोझ जैसी परिस्थितियां आती रहती हैं। इनसे बचने के लिए नशे का सहारा लेना समाधान नहीं है। समस्या से भागना समाधान नहीं, बल्कि उसका सामना करना ही वास्तविक साहस है। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, समय की पابंदी और नियमित अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पढ़ने की आदत से ज्ञान के साथ-साथ विभिन्न विषयों के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। राज्यपाल ने डिजिटल एडिक्शन को भी गंभीर चुनौती बताते हुए युवाओं से डिजिटल माध्यमों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हार्टफुलनेस आश्रम, हैदराबाद के संचालक त्रिलोचन चावला ने नशा मुक्ति के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दलाई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माय भारत वॉलंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को राज्यपाल ने सम्मानित किया। राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ प्रोफेसर राजीव चौधरी को भी राज्यपाल ने सम्मानित किया। रेडक्रॉस एवं रोटरी संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के लिए संस्था के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कवर्धा के ट्रांसपोर्ट नगर का किया निरीक्षण



● टूट मालिक संघ के प्रतिनिधियों से की चर्चा

● व्यवस्थित यातायात के लिए उपयुक्त स्थान चयन पर हुआ विचार-विमर्श

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कवर्धा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टूट मालिक संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ट्रांसपोर्ट नगर की वर्तमान व्यवस्था का जायजा लिया और क्षेत्र में यातायात के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने टूट मालिक संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए ट्रांसपोर्ट नगर के लिए उपयुक्त स्थान के चयन के संबंध में भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि शहर में भारी वाहनों के आवागमन को व्यवस्थित करने तथा आम नागरिकों को यातायात संबंधी असुविधा से रहित दिलाने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर की बेहतर एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था आवश्यक है।

यात्री किराए के विषय का शीघ्र होगा समाधान, ऑनलाइन होंगी परिवहन विभाग की अधिकाधिक सेवाएं बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के साथ परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप की सार्थक चर्चा; महिला यात्रियों की सुरक्षा और बसों की ऑनलाइन ट्रैकिंग पर विशेष जोर



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में बस ऑनर फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बस संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में यात्री किराए के पुनर्निर्धारण, स्लीपर बसों के टैक्स, बसों की समय-सारिणी, ऑनलाइन परमिट, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, फिटनेस प्रमाण-पत्र और महिला यात्रियों की सुरक्षा सहित परिवहन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में सकारात्मक एवं

सुलभ तथा सुविधाजनक परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश स्टेज कैरिज बसों के बीच समय-अंतराल निर्धारित करने के विषय पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। फेडरेशन ने मुख्य मार्गों पर बसों के बीच 10 मिनट तथा ग्रामीण मार्गों पर 30 मिनट का अंतर निर्धारित करने का सुझाव दिया। परिवहन मंत्री ने कहा कि बसों की समय-सारिणी ऐसी होनी चाहिए ।

● यात्री किराए के विषय का शीघ्र होगा समाधान-बैठक में फेडरेशन ने साधारण यात्री बसों के किराए में 75 प्रतिशत तथा डीलक्स बसों के किराए में 30 प्रतिशत वृद्धि करने की मांग रखी। इसके साथ ही 11 मार्च 2025 को जारी संशोधित अधिसूचना को निरस्त करने का विषय भी मंत्री के समक्ष रखा गया। परिवहन मंत्री श्री कश्यप ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि यात्री किराए से जुड़े विषय का शीघ्र समाधान किया जाएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी आवश्यक प्रक्रियाएं सम्यक् रूप से पूरी करते हुए इस विषय पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। स्लीपर बसों के टैक्स पर किया जा रहा विचार फेडरेशन ने स्लीपर बसों में एक स्लीपर के बदले दो सीटों का टैक्स लेने की वर्तमान व्यवस्था को समाप्त कर एक स्लीपर पर एक सीट के बराबर टैक्स निर्धारित करने की मांग रखी।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम में ली गौ सेवकों एवं अधिकारियों की बैठक

● पशु संरक्षण एवं उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने गौ सेवकों से लिए सुझाओ रेस्सू एवं संरक्षण को लेकर दिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गौ सेवकों एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सड़क पर विचारण करने वाले पशुओं, बीमार एवं घायल पशुओं के रेस्क्यू, उपचार तथा उनके लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गौ सेवकों से उनके कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली और पशुओं के बेहतर संरक्षण एवं उपचार के लिए आवश्यक सुझाव भी लिए। बैठक में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर नरेंद्र पैकार, गौ सेवक नीलेश सोनी,संस्कार

जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पशुओं की सेवा और संरक्षण के लिए उनके प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ सेवक जब भी किसी सेवा कार्य अथवा घायल पशु के रेस्क्यू के संबंधितकार्य हेतु संपर्क व्यवस्था को दुरुस्त किया जाय। उनकी अवस्था में मिले पशुओं का रेस्क्यू कर उन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय तक पहुंचाते हैं। गौ सेवकों द्वारा किए

ली जानकारी उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों, सहायक चिकित्सकों एवं अन्य उपलब्ध मानव संसाधन तथा विभागीय सेंटअप की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों की पदस्थापना स्थल, किन-किन क्षेत्रों में कौन से चिकित्सक कार्यरत हैं तथा किन स्थानों पर चिकित्सकीय सेवाओं की आवश्यकता है, इसकी भी जानकारी ली। उन्होंने सभी चिकित्सकों की बैठक आयोजित कर जिले में पशुओं के उपचार एवं रेस्क्यू व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां पशुओं के उपचार की अधिक आवश्यकता है, वहां चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि बीमार एवं घायल पशुओं को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने चिकित्सकों को सेवाभाव, ललक और मेहनत के साथ कार्य करने की

बात कही। पशु रेस्क्यू वाहन 24 घंटे संचालित करने के निर्देश उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिले में उपलब्ध पशु रेस्क्यू वाहन के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु रेस्क्यू वाहन को 24 घंटे संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल अथवा बीमार पशुओं की सूचना मिलने पर तत्काल रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच सके। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदारी और संपर्क व्यवस्था को भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। बड़े स्थान पर पशुओं के उपचार एवं विश्राम की व्यवस्था पर चर्चा बैठक में स्वर्ण जयंती परिसर का निरीक्षण कर वहां पशु चिकित्सालय को शिफ्ट करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने गौ सेवकों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि परिसर का निरीक्षण कर पशु

चिकित्सालय को वहां स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बड़े और व्यवस्थित स्थान पर पशुओं के उपचार, देखभाल एवं विश्राम के लिए बेहतर व्यवस्था विकसित की जा सकती है।उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था तैयार की जाए, जहां बीमार एवं घायल पशुओं को उपचार के साथ सुरक्षित स्थान, पर्याप्त खुला क्षेत्र तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इससे गौ माता सहित अन्य पशुओं के संरक्षण और सेवा कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिक से अधिक पैरादान के लिए किसानों को करें प्रेरित उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में पशुओं के लिए पर्याप्त चारा उपलब्ध कराने के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने आसपास के गांवों के किसानों से संपर्क कर अधिक से अधिक पैरादान कराने के लिए प्रेरित करने कहा।